कक्षा – आठवीं

# हिंदी

(संकलनात्मक मूल्यांकन – II)

# PAPER I

**खण्ड – 'क'** अधिकतम अंक 90

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 1×5=5

कबीर ने समाज में रहकर समाज का बड़े समीप से निरीक्षण किया। समाज में फैले बाह्याडंबर, भेदभाव, साम्प्रदायिकता आदि का पुष्ट–प्रमाण लेकर ऐसा दृढ़ विरोध किया कि किसी की हिम्मत नहीं हुई जो उनके आकाट्य तर्कों को काट सके। कबीर का व्यक्तित्व इतना ऊँचा था कि उनके सामने टिक सकने की हिम्मत किसी में नहीं थी। उन्होंने समाज तथा धर्म की बुराइयों को निकालकर सबके सामने रखा। ऊँचा नाम रखकर संसार को ठगने वालों के नकली चेहरों को सबके सामने उजागर किया और कमजोरों को ऊपर उठाने का उपदेश देकर सबके सामने एक महान आदर्श प्रस्तुत किया। कर्म, सेवा, अहिंसा तथा निर्गुण मार्ग का प्रसार किया। कर्मकाण्ड तथा मूर्तिपूजा का विरोध किया। अपनी साखियों द्वारा समाज के लिए एक विशाल ज्ञानमार्ग खोला। उन्होंने कथनी–करनी की एकता पर बल दिया। कबीर एक महान युगदृष्टा, समाज सुधारक तथा महान कवि थे।

(क) कबीर की साखियाँ क्यों महत्वपूर्ण हैं?

(ख) कबीर ने किसका दृढ़ विरोध किया?

(ग) कबीर द्वारा प्रस्तुत आदर्श क्या था?

(घ) कबीर के साम्प्रदायिकता विरोधी तर्क अकाट्य क्यों थे?

(ङ) संत कबीर ने किस मार्ग का प्रसार किया?

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 1×5=5

और पैरों के तले है एक पोखर
उठ रही इसमें लहरियाँ
नील जल में जो उगी है घास भूरी,
ले रही वह भी लहरियाँ।
एक चाँदी का बड़ा सा गोल खंभा
आँख को है चमकाता।
हैं कई पत्थर किनारे,
पी रहे चुपचाप पानी,
प्यास जाने कब बुझेगी।
चुप खड़ा बगुला,
डुबोए टाँग जल में,
देखते ही मीन चंचल–
ध्यान निद्रा त्यागता है
चट दबाकर चोंच में –
नीचे गले के डालता है।

(क) पोखर में क्या उठ रही है?

(i) कलियाँ (ii) प्यास
(iii) लहरें (iv) मछलियाँ

(ख) जल में उगी घास का रंग कौन सा है?

(i) नीला (ii) भूरा
(iii) हरा (iv) पीला

(ग) बगुला चुप क्यों है?

(i) ध्यानमग्न होने के कारण (ii) उदासी के कारण
(iii) सुस्ती के कारण (iv) भक्ति के कारण

(घ) बगुले की ध्यान निद्रा कब टूटती है?

(i) तूफान आने पर (ii) लहरें उठने पर

(iii) शोर होने पर (iv) मछली देखकर

(ङ) बगुला मछली को क्या करता है?

(i) बचाता है (ii) किनारे पर लाकर रख देता है

(iii) खा जाता है (iv) पकड़ कर छोड़ देता है

3. (क) निम्नलिखित में से किसी <u>एक</u> की संधि कीजिए। 1

1. जगत्+ईश 2. सम्+मोहन

(ख) निम्नलिखित में से किसी <u>एक</u> शब्द का संधि-विच्छेद कीजिए। 1

1. अहंकार 2. तल्लीन

4. निम्नलिखित में से किसी <u>एक</u> शब्द से भाववाचक संज्ञा बनाइए। 1

1. युवक 2. उड़ना

5. (क) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं <u>दो शब्दों</u> के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए - 1+1

1. रात 2. जल 3. उपहार

(ख) निम्नलिखित शब्द का विलोम शब्द लिखिए - 1

सद्भावना

(ग) निम्नलिखित वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए - 1

अनुकरण करने योग्य

6. (क) (1) अर्थ के आधार पर वाक्य भेद बताइए। 1+1

काश! सभी सपने सच हो जाते।

(2) निम्नलिखित वाक्य को संदेहबोधक वाक्य में बदलिए।

कल बारिश होगी।

(ख) (1) रचना के आधार पर वाक्य भेद बताइए। 1+1

बेटी वाला समझकर ही आप मेरा अपमान कर रहे हैं।

(2) निम्नलिखित वाक्य को मिश्रित वाक्य में बदलिए।

छुट्टी हुई और बच्चे घर चले गए।

7. (क) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कर समास का नाम लिखिए। 1+1

1. पीतांबर 2. यथाविधि

(ख) निम्नलिखित विग्रह से समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए। 1

प्राणों के समान प्रिय

8. (क) निम्नलिखित में से किसी <u>एक</u> मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए। 1+1

1. नाक वाला होना 2. काम तमाम कर देना

(ख) उचित मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए। 1

मनुष्य के जीवन में हर अच्छा-बुरा समय ..... है।

9. 'श्लेष' अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 3

10. विद्यालय में खेलकूद की सामग्री की समुचित व्यवस्था करने हेतु प्रधानाचार्य / प्रधानाचार्या को प्रार्थना पत्र लिखिए। 5

**<u>अथवा</u>**

दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले कार्यक्रमों के विषय में सुझाव देते हुए दूरदर्शन निदेशक को पत्र लिखिए।

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी <u>एक</u> विषय पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 5

(क) बालश्रम : सामाजिक अभिशाप (ख) विज्ञान और पर्यावरण

(ग) राष्ट्रीय पर्वों का महत्त्व

12. निम्नलिखित चित्र को देखकर मन में उत्पन्न भावों को 50-60 शब्दों में लिखिए - 5

13. आपके शहर में वायु प्रदूषण की समस्या बढ़ रही है। लोगों को सावधानी बरतने का सुझाव देते हुए एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

## खण्ड - 'ख'

14. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए - 2+2+1=5

मैया कबहिं बढ़ैगी चोटी।
किती बार मोहिं दूध पिवत भई यह अजहूँ है छोटी।।
तू तो कहति बल की बैनी ज्यों ह्वै है लांबी मोटी।
काढ़त गुहत न्हवावत ओछत नागिनि-सी भुई लोटी।।
काचो दूध पिवावति पचि-पचि देति न माखन रोटी।
सूर स्याम चिरजीवौ दोउ भैया हरि-हलधर की जोटी।।

(क) श्रीकृष्ण यशोदा मैया से क्या शिकायत कर रहे हैं?

(ख) 'बल' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया है? उनकी चोटी कैसी है?

(ग) 'बैनी' शब्द का क्या अर्थ है?

15. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 1+2+2=5

बातचीत करते समय हमें ध्यान रखना चाहिए कि हम अपने से अधिक महत्त्व उस व्यक्ति को दें जिससे हम बातचीत कर रहे हैं। हम दूसरों की सुख-सुविधा, रूचि-अरूचि, विचारों, सिद्धान्तों, भावनाओं और मान-सम्मान का पूरा-पूरा ध्यान रखें। उनकी पसंद के प्रति रुचि दिखाते हुए अपने विचार व्यक्त करें। बिना सोचे-समझे जल्दी में कुछ भी बोलना बातचीत के सिद्धान्त के विरूद्ध है। यदि बातचीत की कला में निपुण व्यक्तियों में वृद्धि हो जाए तो समाज तथा परिवारों में पनप रही कटुता, असहिष्णुता, वैमनस्यता जैसे सामाजिक रोगों का अन्त हो जाए और राष्ट्रीय एकता में पड़ी दरारें पट जाएँ।

(क) बातचीत में अधिक महत्त्व किसे देना चाहिए?

(ख) राष्ट्रीय एकता में पड़ी दरारें कैसे पट सकती हैं?

(ग) बातचीत करते समय हमें किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

16. निम्नलिखित में से किन्हीं छः प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 2×6=12

(क) लेखक की माँ ने लेखक को श्रीधर के साथ बाहर जाने से क्यों रोका?

(ख) श्रीराम राजू कौन था? उसने आदिवासियों को किसके बारे में बताया?

(ग) 'सूर और तुलसी के पद' पाठ में माताओं का हृदय किन क्रियाओं से प्रसन्न हो जाता है?

(घ) बातचीत की कला में निपुण बनने के लिए क्या-क्या करना चाहिए?

(ङ) दहेज के लेन-देन की गलत प्रथा के लिए आप किसे जिम्मेदार मानते हैं? क्या आप इसे समाप्त करने का तरीका सुझा सकते हैं?

(च) फ्लोरा किसके संरक्षण में अपने बच्चों को छोड़कर आश्वस्त रहती थी और क्यों?

(छ) आश्रम में कद्दू की सब्ज़ी कैसे बनाई जाती थी?

17. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर 50-60 शब्दों में लिखिए। 3×4=12

(क) गर्मी में बड़े घरों के कुत्तों और आम आदमी को प्राप्त सुविधाओं की तुलना कीजिए।

(ख) राजेश्वरी ने जीवनलाल को क्या समझाया?

(ग) गाँधी जी विदेशी सामान का प्रयोग न करने के पक्ष में क्यों थे?

(घ) सोना की मृत्यु कैसे हुई?

(ङ) अपने देश के इतिहास में कोया आदिवासियों ने अन्याय के खिलाफ लड़ने की मिसाल कैसे स्थापित की?

18. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प छाँटकर लिखिए – 1×6=6

(क) किस कला से मनुष्य को सर्वाधिक लाभ हो सकता है? 'बातचीत की कला' पाठ के आधार पर बताइए।

(i) पाककला से (ii) बातचीत से

(iii) यात्रा से (iv) व्यवसाय से

(ख) बेस्टीयन कौन था?

(i) तहसीलदार (ii) कमांडर

(iii) आदिवासी नेता (iv) हवलदार

(ग) गाँधी जी के भतीजे कौन थे?

(i) छगनलाल जोशी (ii) मदनलाल

(iii) श्रीहरि भाई (iv) मनोहर दीवान

(घ) जीवनलाल की पत्नी का नाम क्या था?

(i) सीता (ii) बिमला

(iii) गौरी (iv) राजेश्वरी

(ङ) लेखिका बद्रीनाथ की यात्रा पर किसे साथ ले गई?

(i) गोधूली को (ii) फ्लोरा को

(iii) सोना को (iv) हेमंत-बसंत को

(च) दोपहरी कविता में चिड़िया कहाँ छिपती थी?

(i) घोंसले में (ii) पेड़ पर

(iii) खपरैलों के नीचे (iv) पत्तों के नीचे

# PAPER II

**खण्ड - 'क'** अधिकतम अंक 90

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 1×5=5

मानवता का सार्वभौमिक विकास सदा शिक्षा पर ही आधारित होता है। शिक्षा का महत्व अद्वितीय है यह भी सभी ने स्वीकार किया है। शिक्षा सभी की इच्छा व उद्देश्य-पूर्ति का एक सर्वोत्तम साधन है। कुछ लोग शिक्षा ग्रहण करते हैं नौकरी के लिए, कुछ समय व्यतीत करने के लिए, कुछ अपने कारोबार का विस्तार करने के लिए तो कोई ज्ञानार्जन के लिए या फिर आनन्द के लिए उस समय भी, जब कोई लिपि नहीं थी, तब भी शिक्षा का प्रचार-प्रसार हुआ करता था भले ही मौखिक रूप में।

शिक्षा से विवेक की प्राप्ति होती है। मानव का सही मायने में सुशिक्षित होना तभी सार्थक है जब सच्चे ज्ञान को प्राप्त करे और अनुचित संस्कारों से सर्वथा मुक्त हो जाए अर्थात वास्तविक शिक्षा से मानव का आचार-विचार शुद्ध और पवित्र होता है। आज ऐसे शिक्षकों की आवश्यकता है जो स्वयं चरित्रवान, अनुभवी, संयमी, निर्लोभी हों। वे ऐसा पवित्र, स्वच्छ व स्वस्थ वातावरण बनाएँ जिसमें बच्चों की मानसिक क्षमता का विकास हो सके। उनमें बौद्धिक जागरूकता व ज्ञान बढ़ाने में सहायक हों। कहा जा सकता है कि शिक्षा का उद्देश्य वैयक्तिक भी है और सामूहिक भी। वैयक्तिक स्तर पर वह आत्मविकास करे और सामूहिक स्तर पर समाज में सहयोग तथा सामंजस्य का वातावरण उत्पन्न करे। इसके लिए शिक्षक को केवल शिक्षक ही नहीं वरन शिक्षित भी होते रहना चाहिए।

(क) इच्छा व उद्देश्य-पूर्ति का एक सर्वोत्तम साधन क्या है?

(ख) मानव का सही मायने में सुशिक्षित होना कब सार्थक है?

(ग) आज चरित्रवान, अनुभवी, संयमी, निर्लोभी शिक्षकों की आवश्यकता क्यों है?

(घ) शिक्षा वैयक्तिक व सामूहिक स्तर पर उद्देश्य को कैसे पूरा करती है?

(ङ) 'सुशिक्षित शब्द से उपसर्ग व प्रत्यय अलग कीजिए।

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए – 1×5=5

माटी, तुझे प्रणाम!

मेरे पुण्य देश की माटी, तू कितनी अभिराम!
तुझे लगा माथे से सारे कष्ट हो गए दूर,
क्षण भर में ही भूल गया मैं शत्रु-यंत्रणा क्रूर
सुख-स्फूर्ति का इस काया में हुआ पुनः संचार-
लगता जैसे आज युगों के बाद मिला विश्राम!

माटी, तुझे प्रणाम!

तुझ से बिछुड़ मिला प्राणों को कभी न पल-भर चैन,
तेरे दर्शन हेतु रात-दिन तरस रहे थे नैन,
धन्य हुआ तेरे चरणों में आकर यह अस्तित्व-
हुई साधना सफल, भक्त को प्राप्त हो गए राम!

माटी, तुझे प्रणाम!

अमर मृत्तिके! लगती तू पारस से बढकर आज,
कारा-जड़ जीवन सचेत फिर, तुझ को छू कर आज,
मरणशील हम, किन्तु अमर तू, है अमर्त्य यह धाम-
हम मर-मर कर अमर करेंगे तेरा उज्ज्वल नाम!

(क) कवि किसे प्रणाम कर रहा है?

(i) देश को (ii) शत्रु को

(iii) माटी को (iv) कष्टों को

(ख) मातृभूमि को प्रणाम करने से अनुभूति कैसी होती है?

(i) कष्टों की (ii) विश्राम की

(iii) साधना की (iv) कार्य की

(ग) किसकी साधना सफल हुई है?

(i) देश (ii) शत्रु

(iii) माटी (iv) भक्त

(घ) देश की माटी से बिछुड़ कर कौन बेचैन है?

(i) प्राण (ii) राम

(iii) नैन (iv) शत्रु

(ङ) काव्यांश का उद्देश्य है –

(i) सुख की इच्छा (ii) मातृ-वन्दना

(iii) जीवन का गुणगान (iv) ईश्वर भक्ति

3. (क) निम्नलिखित में से किसी <u>एक</u> की संधि कीजिए – 1

(1) उत्+ज्वल (2) सम्+तोष

(ख) निम्नलिखित में से किसी <u>एक</u> का संधि-विच्छेद कीजिए – 1

(1) वागीश (2) संशय

4. निम्नलिखित में से किसी एक शब्द से भाववाचक शब्द बनाइए – 1

(1) हरा (2) उड़ना

5. (क) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए – 1+1

(1) दिन (2) रात

(ख) निम्नलिखित शब्द का विलोम शब्द लिखिए – 1

बंजर

(ग) निम्नलिखित वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए – 1

जिसके नीचे रेखा खिंची हो

6. (क) (1) अर्थ के आधार पर वाक्य भेद बताइए – 1+1

आपकी यात्रा मंगलमय हो।

(2) निम्नलिखित वाक्य को संकेतवाचक वाक्य में बदलिए –

तुम्हारे घर आने पर ही मैं बाजार जाऊँगी।

(ख) (1) रचना के आधार पर वाक्य भेद बताइए – 1+1

इतना दहेज दिया कि देखने वालों ने दाँतों तले अँगुली दबा ली।

(2) निम्नलिखित वाक्य को सरल वाक्य में बदलिए –

बच्चे ने खीर खाई और सो गया।

7. (क) निम्नलिखित समस्त-पद का विग्रह कर समास का नाम लिखिए – 1+1

(1) यथासमय (2) गंगायमुना

(ख) निम्नलिखित समस्त-पद बना कर समास का नाम लिखिए – 1

महान है जो आत्मा

8. (क) निम्नलिखित में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिख कर वाक्य में प्रयोग कीजिए – 1+1

(1) घाव हरा होना (2) तिल का ताड़ बनाना

(ख) उचित मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए – 1

ईश्वर जिसकी रक्षा करता है उसका कोई ..... नहीं कर सकता।

9. 'अनुप्रास' या 'उपमा' अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए – 3

10. आपके मोहल्ले में अक्सर बिजली गुल रहती है जिसके कारण काफ़ी कठिनाइयाँ उत्पन्न हो जाती हैं। इसके बारे में शिकायत करते हुए नगर निगम को पत्र लिखिए। 5

**<u>अथवा</u>**

अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को एक पत्र लिखिए जिसमें आपके सहपाठी के प्रशंसनीय और साहसिक व्यवहार के लिए उसे सम्मानित करने का अनुरोध हो।

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए – 5

(क) शहरी जीवन में प्रदूषण का प्रभाव (ख) यदि मैं शिक्षा मंत्री होता/होती

(ग) मनोरंजन के आधुनिक साधन

12. निम्नलिखित चित्र को देखकर मन में उत्पन्न भावों को 50 से 60 शब्दों में लिखिए – 5

13. आजकल स्वच्छता अभियान जोरों पर है। आप इसके प्रचार-प्रसार के लिए एक प्रभावशाली विज्ञापन बनाइए – 5

## खण्ड – 'ख'

14. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

"कभी एक ग्रामीण धरे कंधे पर लाठी
सुख-दुख की मोटी-सी गठरी
लिए पीठ पर भारी
जूते फटे हुए
जिसमें से थी झाँक रही गाँवों की आत्मा
जिंदा रहने के कठिन जतन में
पाँव बढ़ाए आगे जाता।।"

(क) ग्रामीण ने पीठ पर क्या लाद रखा है क्यों? 2

(ख) जिंदा रहने के लिए कौन और क्या जतन कर रहा है? 2

(ग) "जिसमें से थी झाँक रही गाँवों की आत्मा" में कौन सा अलंकार है? 1

15. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

बातचीत में अधरों पर छाई निश्छल स्वाभाविक मधुर मुस्कान किस को आकृष्ट नहीं करती? बातचीत में मुस्कुराहट यदि एक ओर प्रसन्नता, सद्भावना और मैत्री बढ़ाती है तो दूसरी ओर परेशान उद्विग्न और उदास लोगों के लिए राहत और भग्नाश जनों के लिए प्रेरणास्रोत सिद्ध होती है। पुष्प की गंध की तरह मुस्कुराहट सबको सुवासित कर देती है। सरल हृदय से ही स्वाभाविक मुस्कुराहट प्रस्फुटित होती है जो मनुष्य के हृदय की निर्मलता और प्रेम का प्रतीक होती है। कपट, स्वार्थ, गुरुता और हीनता की भावना से ग्रस्त कुटिलतापूर्ण मुस्कुराहट बनावटी होती है जो बातचीत की रोचकता को समाप्त कर देती है। मुस्कुराहट का अक्षय कोष लुटाने वाले गरीब नहीं होते। उनके तो दोनों हाथों में लड्डू होते हैं – जाता कुछ नहीं, मिलता बहुत कुछ है।

(क) बातचीत में मुस्कुराहट की क्या उपयोगिता है? 2

(ख) कुटिलतापूर्ण मुस्कुराहट बनावटी क्यों होती है? उसका दुष्परिणाम क्या है? 2

(ग) मुस्कुराहट को अक्षय-कोष क्यों कहा है? 1

15. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं छः प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 2×6=12

(क) श्री राम राजू कौन था? उसने आदिवासियों को गाँधी जी के बारे में क्या बताया?

(ख) श्रीधर लेखक के घर क्यों आया था तथा वह उस पर क्यों हँसा?

(ग) 'सूर और तुलसी के पद' में अवधेश किसको कहा गया है तथा उनके पुत्र किस चीज़ की ज़िद करते हैं?

(घ) प्रमोद और गौरी के बीच क्या रिश्ता था? गौरी की विदा क्यों नहीं हो सकी?

(ङ) गर्मी की दोपहरी कविता में किस ऋतु का वर्णन है तथा पेड़ों की दशा कैसी है?

(च) लेखिका गर्मियों में यात्रा के लिए कहाँ गई थी तथा अपने साथ किसे ले गई थी?

(छ) "नहीं यह नहीं चलेगा। मुझसे डोरा गुम हो जाये, यह कैसे चलेगा।" यह बात किसने किससे कही? इससे उनके किस स्वभाव का पता चलता है?

17. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर 50-60 शब्दों में लिखिए - 3×4=12

(क) सुदृढ़ चरित्र निर्माण में किस-किस का योगदान होता है? इससे व्यक्ति को क्या लाभ होता है?

(ख) ईर्ष्या सबसे पहले किसको जलाती है? इससे बचने के क्या उपाय है?

(ग) सोना को लेखिका के पास कौन लाया था? साल बीतते-बीतते सोना में क्या-क्या बदलाव आया?

(घ) जीवनलाल और राजेश्वरी की सोच में क्या अन्तर है? आप राजेश्वरी के कौन-कौन से गुणों को अपनाना चाहेंगे?

(ङ) 'अन्याय के खिलाफ़ लड़ाई' पाठ का नाम किस आधार पर रखा गया होगा? एक अन्य शीर्षक भी लिखिए।

18. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प छाँटकर लिखिए - 1×6=6

(क) हैदराबाद में किसने गाँधी जी का लेख पढ़ा?

(i) कस्तूरबा गाँधी (ii) सरोजिनी नायडू

(iii) नरहरि भाई पारीख (iv) छगनलाल जोशी

(ख) किसने एक कोने से दूसरे कोने तक गुप्त संदेश पहुँचाने के लिए गुप्तचरों का जाल फैला रखा था?

(i) श्री राम राजू (ii) मेजर गुडाल

(iii) बेस्टीयन (iv) अंग्रेजों ने

(ग) ईर्ष्या की बड़ी बेटी किसे कहा गया है?

(i) ईर्ष्यालु को (ii) निंदा को

(iii) चापलूसी को (iv) प्रतिद्वंद्वी को

(घ) कृष्ण अपनी चोटी की तुलना किसकी चोटी से कर रहे हैं?

(i) माँ यशोद से (ii) गोपियों से

(iii) नन्द बाबा से (iv) बलदाऊ से

(ङ) बड़े घरों के लोग कब तक बाहर नहीं निकलते?

(i) दोपहर तक (ii) रात तक

(iii) सायंकाल तक (iv) सवेरे तक

(च) लेखक के खाना न खाने, दूध न पीने पर उसकी दादी उसके लिए ...

(i) पकवान बना रही थी (ii) उसे भजन सुना रही थी।

(iii) फल और मिठाई लायी। (iv) राम जी की माला जप रही थी।

# PAPER III

**खण्ड - 'क'** अधिकतम अंक 100

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

साहित्य को समाज का दर्पण कहा जाता है। क्योंकि साहित्यकार जो भी लिखे उसके पीछे वही सामाजिक परिवेश होता है, जिसमें वह रह रहा है। जरूरी नहीं है कि वह उसका यथातथ्य वर्णन करे, ऐसा तो पत्रकार करते हैं, वह सामाजिक स्थितियों से प्रेरणा ग्रहण कर उन्हें कल्पना और कलात्मकता से प्रस्तुत करता है। इसलिए समाज का परिवेश, उसकी मान्यताएँ, उसकी गति की दिशा सब कुछ साहित्य में प्रतिबिंबित होती है। जैसे - दर्पण में। साहित्य अपने युग का भावात्मक तथा रागात्मक चित्र प्रस्तुत करता है जो तत्कालीन समाज को शिक्षा ही प्रदान नहीं करता उसे प्रेरित भी करता है। प्रत्येक युग में दो प्रकार के साहित्य का सृजन होता है। एक सामाजिक दायित्व है जो युग की अनेक समस्याओं का आकलन और मूल्यांकन, युग विशेष की प्रचलित मान्यताओं और विचार-सारणियों से करता है। ऐसा साहित्य समाज का तत्कालीन दर्पण तो बन जाता है किंतु उनकी समस्याओं का हल प्रस्तुत हो जाने पर उस साहित्य का मूल्य घट जाता है। ऐसा साहित्य कुछ वर्षों तक युग की परिस्थितियों की माँग का सिंदूर बना रहता है; किंतु कालांतर में परिस्थितियों के बदल जाने पर वह नष्ट हो जाता है। शाश्वत साहित्य अपने युग का प्रतिनिधित्व करते हुए युग-युग का बन जाता है। वह किसी काल की सीमा-रेखा से बँधा नहीं होता। अधिकतर ऐसा साहित्य अपने युग में उतना सम्मान नहीं पाता जितना भविष्य में पाता है।

(क) साहित्य को समाज का दर्पण क्यों कहा जाता है? 2

(ख) साहित्यकार और पत्रकार की प्रस्तुतियों में मूलभूत अंतर क्या है? 2

(ग) समाज का दर्पण होने पर भी कोई साहित्य कब मूल्य खो देता है? 2

(घ) शाश्वत साहित्य से क्या तात्पर्य है? 1

(ङ) कैसा साहित्य अपने युग में उतना सम्मानित नहीं होता जितना भविष्य में? ऐसा क्यों? 2

(च) 'शाश्वत' शब्द का विलोम शब्द लिखिए। 1

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

सतपुड़ा के घने जंगल
नींद में डूबे हुए से
ऊँघते अनमने जंगल।
झाड़ ऊँचे और नीचे
चुप खड़े हैं आँख मींचे;
घास चुप है, काश चुप है
मूक शाल, पलाश चुप है;
बन सके तो धँसो इनमें
धँस न पाती हवा जिनमें
सतपुड़ा के घने जंगल
नींद में डूबे हुए-से
ऊँघते, अनमने जंगल।
सड़े पत्ते, गले पत्ते
हरे पत्ते, जले पत्ते
वन्य पथ को ढक रहे-से
पंक दल में पले पत्ते,
चलो इन पर चल सको तो

दलो इनको दल सको तो

ये घिनौने-घने जंगल

नींद में डूबे हुए-से

ऊँघते, अनमने जंगल।

(क) सतपुड़ा के जंगल के अनमने होने के दो कारण क्या हैं? 1

(ख) 'धंस न पाती हवा' का क्या अर्थ है और यह किसका प्रतीक है? 1

(ग) जंगल को घिनौना क्यों कहा गया है? 1

(घ) 'नींद में डूबे हुए-से' पंक्ति में कौन-सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है? 1

(ङ) जंगल के रास्ते की कैसी स्थिति है? 1

## खण्ड - 'ख'

3. निम्नलिखित शब्दों में अनुस्वार तथा अनुनासिक चिह्न उचित स्थान पर लगाइए - 1+1=2

(i) भावनाए (ii) प्रशसा

4. (क) 'सुकन्या' शब्द में से उपसर्ग एवं मूल शब्द अलग करके लिखिए। ½+½=1

(ख) 'ईला' प्रत्यय लगाकर एक शब्द बनाइए। 1

5. (क) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं <u>दो</u> शब्दों का संधि विच्छेद कीजिए - 1+1=2

(i) उपाध्यक्ष (ii) जगदीश (iii) षडानन

(ख) निम्नलिखित में से किसी <u>एक</u> की संधि कीजिए - 1

(i) उत्+चारण (ii) सत्+जन

6. 'युवक' तथा 'देव' शब्द से भाववाचक संज्ञा बनाइए। 1

7. (क) निम्नलिखित शब्दों के <u>दो-दो</u> पर्यायवाची शब्द लिखिए - 1+1=2

(i) पृथ्वी (ii) आग

(ख) 'उत्तीर्ण' का विलोम शब्द लिखिए। 1

(ग) निम्नलिखित वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए - 1

जो स्वयं पैदा हुआ हो।

8. (क) निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार हल कीजिए - 1+1=2

(i) श्याम अच्छा खिलाड़ी होते हुए भी पढ़ने में तेज़ है। (संयुक्त वाक्य)

(ii) मुझे परीक्षा देनी है, इसलिए मुंबई जा रहा हूँ। (सरल वाक्य)

(ख) अर्थ के आधार पर वाक्य भेद बताइए - 1

काश! हम चाँद की सैर करते।

9. निम्नलिखित वाक्य में उचित निपात लगाकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए - 1

यह काम कर ..... लेने दो।

10. (क) निम्नलिखित में से किसी <u>एक</u> समस्त पद का विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए - 1

(i) पितांबर (ii) भरपेट

(ख) निम्नलिखित में से किसी <u>एक</u> का समस्त पद बनाइए - 1

(i) अमीर और गरीब (ii) हाथ ही हाथ में

11. (क) निम्नलिखित वाक्य में उचित विराम चिह्न लगाइए - 1

दोनों हिल मिलकर अमन चैन से रहें

(ख) निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त विराम चिह्नों के नाम लिखिए - 1

अरे! तुम कहाँ चले गए थे?

12. निम्नलिखित में से किसी <u>एक</u> मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए - 2

(i) एड़ी चोटी का ज़ोर लगाना (ii) नाक में दम करना

13. 'यमक' अथवा श्लेष अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 1+2=3

## खण्ड - 'ग'

14. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

चिंता को लोग चिता कहते हैं। जिसे किसी प्रचंड चिंता ने पकड़ लिया, उस बेचारे की ज़िंदगी खराब हो जाती है। किंतु ईर्ष्या शायद चिंता से भी बदतर चीज़ है, क्योंकि वह मनुष्य के मौलिक गुणों को ही कुंठित बना डालती है। मृत्यु, शायद फिर भी श्रेष्ठ है बनिस्पत इसके कि हमें अपने गुणों को कुंठित बनाकर जीना पड़े। चिंता-दग्ध मनुष्य समाज की दया का पात्र है। किंतु ईर्ष्या से जला-भुना आदमी ज़हर की एक चलती-फिरती गठरी के समान है जो हर जगह वायु को दूषित करती फिरती है।

(क) चिंता को चिता के समान क्यों कहा गया है? 1

(ख) ईर्ष्या चिंता से बदतर क्यों मानी जाती है? 1

(ग) मृत्यु चिंता से कब श्रेष्ठ बन जाती है? 1

(घ) समाज की दया का पात्र किसे कहा गया है? 1

(ङ) गद्यांश के पाठ व लेखक का नाम लिखिए। ½+½=1

15. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

मैया कबहिं बढ़ैगी चोटी।
किती बार मोहिं दूध पिवत भई यह अजहूँ है छोटी।।
तू तो कहति बल की बैनी ज्यों ह्वै है लांबी मोटी।
काढ़त गुहत न्हवावत ओछत नागिनी-सी भुंई लोटी।।
काचो दूध पिवावति पचि-पचि देत न माखन रोटी।
सूर स्याम चिरजीवौ दोउ भैया हरि-हलधर की जोटी।।

(क) चोटी के न बढ़ने की शिकायत माता यशोदा से कौन कर रहा है? 1

(ख) श्रीकृष्ण बार-बार किस लालच में दूध पीते हैं? 1

(ग) 'बल' शब्द किसके लिए प्रयोग में लाया गया है? 1

(घ) चोटी नागिन के समान ज़मीन को कब छूने लगेगी? 1

(ङ) 'नागिनी-सी' में कौन सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है? 1

16. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं छ: प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर (25-30 शब्दों में) लिखिए- 2×6=12

(क) कल्पना चावला के सपने को साकार करने में किन-किन लोगों का योगदान रहा?

(ख) 'पौधों के पंख' पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक को स्वयं पर झुंझलाहट क्यों हो रही थी?

(ग) दोपहर बीत जाने के बाद संध्या के समय भी कोई बाहर क्यों नहीं निकलता है?

(घ) 'बहू की विदा' पाठ के आधार पर जीवनलाल के चरित्र पर प्रकाश डालिए।

(ङ) 'सोना' पाठ में लेखिका बद्रीनाथ की यात्रा पर किसे ले गई और क्यों?

(च) हेलर केलर के जीवन से आपको क्या सीख मिलती है?

(छ) नीत्से ने ईर्ष्यालु लोगों को किसके समान बताया है?

17. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं छ: प्रश्नों के विस्तृत उत्तर (50-60) शब्दों में लिखिए- 3×6=18

(क) 'केबल टी.वी. नई पीढ़ी के लिए नुकसानदेह है।' लेखक के इस कथन के बारे में अपने विचार लिखिए।

(ख) गाँधीजी के व्यक्तित्व से आप किन जीवन मूल्यों को ग्रहण करेंगे?

(ग) बातचीत की कला में निपुण होने के लिए किन गुणों का होना आवश्यक है?

(घ) 'कामचोर' कहानी आज के युवा वर्ग को क्या संदेश देती है?

(ङ) सोना का परिचय देते हुए उसके रूप सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

(च) लेखक ने ईर्ष्या को अनोखा वरदान क्यों कहा है?

(छ) मनुष्य ईश्वर को प्राप्त करने के लिए कहाँ-कहाँ खोजता रहता है?

18. कल्पना के व्यक्तित्व से आपको किन-किन गुणों को अपनाने की प्रेरणा मिलती है? वर्णन कीजिए।

**अथवा** 5

प्राय: व्यक्ति अपने मनोरंजन या किसी स्वार्थ के कारण पशु-पक्षियों को नुकसान पहुँचाते हैं। आपकी दृष्टि में क्या ऐसा करना उचित है? अपने उत्तर के लिए तर्क भी दीजिए।

## खण्ड - 'घ'

19. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर (80-100 शब्दों में) अनुच्छेद लिखिए- 5

(i) स्वस्थ जीवन के लिए व्यायाम

(ii) विकास का आधार : अनुशासन

(iii) मेरा प्रिय धारावाहिक

20. आप मधुर / मधुरिमा हैं। रास्ते में साइकिल खराब (पंचर) हो जाने के कारण विद्यालय विलंब से पहुँचने पर विद्यालय में प्रवेश हेतु प्रधानाचार्य / प्रधानाचार्या को प्रार्थना-पत्र लिखिए। 5

21. अपने जीवन से जुड़ा कोई रोचक संस्मरण डायरी शैली में लिखिए। 5

# PAPER IV

## खण्ड - 'क'

अधिकतम अंक 100

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

जिंदगी की सार्थकता भलाई करने में है। संसार में उसी परिश्रम को सार्थक कहा गया है जो दूसरों के लिए किया जाता है। मनुष्य कभी भी परोपकार कर सकता है। बस इसके लिए संवेदनशील और उदार भावनाएँ चाहिए। प्राचीन समय में एक वृद्ध बेसहारा आदमी भिक्षा माँगकर अपना जीवन निर्वाह करता था। वृद्ध की दिनचर्या यह थी कि जैसे ही वह सवेरे सोकर उठता, सबसे पहले शुद्ध होकर मंदिर में जाता, भगवान को प्रणाम करता, फिर लौटकर आता और भिक्षा माँगने निकल जाता। अपनी कुटिया के मुख्य मार्ग की ओर जाते समय, वह अनाज के दानों से मुट्ठियाँ भर लेता और जहाँ पक्षियों को देखता वहाँ दाने बिखेर देता। उसे अपना पेट भरने की चिंता नहीं होती थी, जितनी दूसरे भूखे लोगों की होती थी। जिस दिन वह अधिक परमार्थ करता, उस रात उसे गहरी नींद आती थी।

(क) जिंदगी की सार्थकता किसमें है? परिश्रम सार्थक कब कहलाता है? 2

(ख) वृद्ध परोपकार कैसे करता था? 2

(ग) वृद्ध अपना जीवन निर्वाह कैसे करता था? उसकी दिनचर्या क्या थी? 2

(घ) परोपकारी मनुष्य के हृदय में कैसी भावनाएँ होनी चाहिए? 1

(ङ) वृद्ध को गहरी नींद कब आती थी? 1

(च) उपर्युक्त गद्यांश का मूल संदेश अपने शब्दों में लिखिए। 1

(छ) उपयुक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1

2. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

मस्जिदों-मन्दिरों की दुनिया में,

मुझको पहचानते कहाँ हैं लोग,

रोज़ मैं चाँद बनके आता हूँ,

दिन में सूरज सा जगमगाता हूँ,

खनखनाता हूँ माँ के गहनों में,

हँसता रहता हूँ छुप के बहनों में,

मैं ही मज़दूर के पसीने में,

मैं ही बरसात के महीने में,

मस्जिदों-मन्दिरों की दुनिया में,

मुझको पहचानते नहीं, जब लोग

आसमानों में लौट जाता हूँ,

मैं खुदा बनके कहर ढ़ाता हूँ।

(क) कवि ने ईश्वर के कौन-कौन से रूप बताये है? 1

(ख) 'मस्जिदों-मन्दिरों की दुनिया' से कवि का क्या अभिप्राय है? 1

(ग) जब लोग ईश्वर को नहीं पहचानते तो ईश्वर क्या करता है? 1

(घ) पद्यांश का केंद्रीय भाव क्या है? 1

(ङ) 'ईश्वर' शब्द का पर्यायवाची पद्यांश से छाँटकर लिखिए। 1

## खण्ड - 'ख'

3. (क) निम्नलिखित में से किसी एक की संधि कीजिए - 1

(1) इति+आदि (2) सत्+गुण

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों का सन्धि-विच्छेद कीजिए - 2

(1) उमेश (2) उल्लेख (3) शुभारंभ

4. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए - 2

(1) ज़मीन (2) आग (3) सूर्य

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द का विलोम शब्द लिखिए - 1

(1) आयात (2) गुण

(ग) निम्नलिखित वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए - 1

काम से जी चुराने वाला

5. (क) 'कवि' अथवा 'गर्व' शब्द से भाववाचक संज्ञा बनाइए। 1

(ख) निम्नलिखित वाक्य में से विशेषण शब्द छाँटकर उसका भेद लिखिए - 1

जीवन में ईमानदार व्यक्ति ही सफल होता है।

6. (क) निम्नलिखित शब्दों में अनुस्वार तथा अनुनासिक का चिह्न उचित स्थान पर लगाइए - 2

(1) प्रशसा (2) चादनी

(ख) 'अपयश' शब्द में से उपसर्ग एवं मूल शब्द अलग करके लिखिए। ½+½=1

(ग) 'आवट' प्रत्यय लगाकर एक शब्द बनाइए। 1

7. (क) निम्नलिखित में से किसी <u>एक</u> समस्त पद का विग्रह करते हुए समास का भेद बताइए – ½+½=1

(1) सप्ताह (2) पीतांबर

(ख) निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित विग्रह का समस्त पद बनाकर समास का भेद बताइए – ½+½=1

माताजी ने कल से <u>अन्न और जल</u> ग्रहण नहीं किया है।

8. (क) निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न लगाइए – 2

(1) कचरा इधर उधर मत फेंको

(2) बच्चे वैसा करते हैं जैसा उन्हें सिखाया जाता है

(ख) निम्नलिखित वाक्य में उचित निपात लगाकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए – 1

वह कब का चला गया।

9. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार कीजिए – 2

(1) राधा खेल रही है। (निषेधावाचक वाक्य में बदलिए)

(2) डॉक्टर ने रोगी को देखा और दवाई दी। (रचना के आधार पर वाक्य का भेद बताइए)

10. निम्नलिखित में से किसी <u>एक</u> मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए – 1+1

तिल का ताड़ बनाना अथवा रंगो हाथ पकड़ना

11. 'श्लेष' अथवा 'रूपक' अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 2+1

## खण्ड - 'ग'

12. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

ईर्ष्या की बड़ी बेटी का नाम निंदा है। जो व्यक्ति ईर्ष्यालु होता है, वही व्यक्ति बुरे किस्म का निंदक भी होता है। दूसरों की निंदा वह इसलिए करता है कि इस प्रकार दूसरे लोग जनता अथवा मित्रों की आँखों से गिर जाएँगे और तब जो स्थान रिक्त होगा, उस पर अनायास मैं बिठा दिया जाऊँगा। दूसरों को गिराने की कोशिश तो अपने को बढ़ाने की कोशिश नहीं कही जा सकती। एक बात और है कि संसार में कोई भी मनुष्य निंदा से नहीं गिरता। उसके पतन का कारण अपने ही भीतर के सद्गुणों का ह्रास होता है।

(क) ईर्ष्या की बड़ी बेटी किसे कहा गया है? 1

(ख) किस प्रकार का व्यक्ति निंदक होता है? 1

(ग) एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति की निंदा क्यों करता है? स्पष्ट कीजिए। 1

(घ) मनुष्य के पतन का क्या कारण है? 1

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का मूल संदेश लिखिए। 1

13. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

बाजे बजा-बजाकर, मैं था तुझे रिझाता।
तब तू लगा हुआ था, पतितों के संगठन में।।
बेबस गिरे हुओं के, तू बीच में खड़ा था।
मैं स्वर्ग देखता था, झुकता कहाँ चरण में।।
दुख में न हार मानूँ, सुख में तुझे न भूलूँ।
ऐसा प्रभाव भर दे, मेरे अधीर मन में।।

(क) कवि ईश्वर को रिझाने के लिए क्या-क्या करता था? 1

(ख) ईश्वर किसके संगठन में लगा हुआ था? 1

(ग) कवि ईश्वर से अधीर मन में कैसा प्रभाव भरने की प्रार्थना करता है? 1

(घ) 'बाजे बजाने' से कवि का क्या आशय है? 1

(ङ) हमें ईश्वर को प्राप्त करने के लिए क्या करना चाहिए? 1

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं छः प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर (25-30 शब्दों में) लिखिए- 2×6=12

(क) कल्पना के जीवन का क्या सपना था? उसका यह सपना कब पूरा हुआ?

(ख) 'पौधे के पंख' पाठ के आधार पर लेखक और श्रीधर के व्यक्तित्व में अंतर स्पष्ट कीजिए।

(ग) चिड़ियाँ कहाँ और क्यों उड़ती छिपती है?

(घ) हेलेन के जीवन से क्या प्रेरणा मिलती है?

(ङ) अम्मा मायके जाने के लिए सामान क्यों बाँधने लगी?

(च) माताएँ श्रीराम के प्रति अपना प्रेम कैसे व्यक्त करती थी?

(छ) सोना लेखिका के प्रति स्नेह दर्शाने के लिए क्या-क्या करती थी?

15. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं छः प्रश्नों के उत्तर (50-60 शब्दों में) लिखिए- 3×6=18

(क) गाँधीजी कागज का अपव्यय रोकनके के लिए क्या करते थे?

(ख) पड़ोसी की केबल की तार काटने को लेकर लेखक क्या तर्क देते हैं?

(ग) 'कामचोर' कहानी में बच्चों को कामचोर क्यों कहा गया है? स्पष्ट कीजिए।

(घ) व्यक्ति ईर्ष्या से कैसे बच सकता है?

(ङ) बातचीत करते समय हमें किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? कोई तीन बातें बताइए।

(च) हम अपनी सीमाओं को अच्छे अवसरों में कैसे बदल सकते हैं?

(छ) कृष्ण अपनी चोटी न बढ़ने के लिए माता यशोदा को क्या उलाहना देते हैं?

16. 'माँजी ममता की मूर्ति हैं' 'बहू की विदा' पाठ के आधार पर कथन को स्पष्ट कीजिए। 5

**अथवा**

'सोना' संस्मरण से पशुओं के प्रति प्रेम, लगाव तथा सहानुभूति का भाव विकसित होता है - कैसे?

## खण्ड - 'घ'

17. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर (80-100 शब्दों में) अनुच्छेद लिखिए- 5

(i) मेरे सपनों का भारत

(ii) कंप्यूटर : आज की आवश्यकता

(iii) महानगरों में बढ़ता प्रदूषण

18. अपने विद्यालय के पुस्तकालय में हिंदी की पुस्तकें मँगवाने के लिए प्रधानाचार्या/प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए। 5

**अथवा**

अपने बड़े भाई को अपने विद्यालय के वार्षिकोत्सव का विवरण देते हुए पत्र लिखिए।

19. आज आपने सड़क पार करने में एक बूढ़े व्यक्ति की सहायता की। अपने इस अनुभव को डायरी शैली में लिखिए। 5

# PAPER V

**खण्ड - 'क'** अधिकतम अंक 100

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

मानव शरीर की रचना पाँच तत्वों से मिलकर हुई है। ये तत्व हैं - आकाश, वायु, जल, अग्नि और पृथ्वी। वस्तुतः ये वस्तुएँ तथा इनसे जुड़ी हुई वस्तुएँ प्रकृति के नाम से जानी जाती हैं। प्रकृति ही सारे संसार को चलाने में सहायक है। आकाश का गुण शब्द है जो कभी नष्ट नहीं होता। वायु प्राण बनकर जीवनदायिनी है। प्राण ही तो है जो हमारे जीवित होने का प्रमाण है। जल हमारे शरीर की नस-नस में किसी-न-किसी रूप में विद्यमान है तभी तो कहा जाता है शरीर में 80% जल है। अग्नि का गुण तेज रूप में मानव के साथ है। पृथ्वी हमारे रहने और खाने-पीने के साधन उपलब्ध कराती है। वस्तुतः प्रकृति हमें अनेक शिक्षाएँ देती है। सूर्य और चंद्रमा प्रतिदिन समयानुसार आकर हमें जीवन देते हैं और आनंद से भर देते हैं। वे कभी अपना नियम नहीं तोड़ते तथा इस रूप में मानव को नियमबद्धता का पाठ पढ़ाते हैं। पृथ्वी सहनशीलता का अद्भूत प्रमाण देती है। कठिनाई तब होती है जब मानव अपने अहंकार के कारण प्रकृति पर अधिकार पाना चाहता है, उसे नियंत्रित करना चाहता है। बड़े-बड़े बाँध बनाकर जल के प्रवाह को अपनी इच्छानुसार चलाना चाहता है। मनुष्य को यह याद रखना होगा कि जो प्रकृति हमें जीवन देती है उसकी रक्षा करना मनुष्य का ही कर्तव्य है।

(क) मनुष्य के शरीर की रचना किन पाँच तत्वों से मिलकर हुई है? 2

(ख) वायु और जल तत्व किस रूप में मानव के सहायक हैं? 2

(ग) सूर्य और चंद्रमा मानव को क्या पाठ पढ़ाते हैं? 2

(घ) प्रकृति की संतुलित व्यवस्था में मानव किस प्रकार कठिनाई उत्पन्न करता है? 1

(ङ) प्रकृति की रक्षा करना मनुष्य का कर्तव्य है - कैसे? 1

(च) 'पृथ्वी' शब्द के दो पर्यायवाची लिखिए। 1

(छ) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

कर्म कर जग में निरंतर, लक्ष्य अपना साध कर।
लक्ष्य बिन तू क्या करेगा, यों समय बर्बाद कर।।
लक्ष्य जब हो जाए निश्चित, साधनों को साध ले।
साधनों से सिद्धि होगी, बात पर तू ध्यान दे।।
मार्ग में काँटे मिलेंगे, नोक तीखी निज किए।
आकुल न होना देख उनको, आत्म-संबल हिये लिए।।
बढ़ना मसल करके उन्हें, निज ब्रज-हाथों से सदा।
धैर्य से, साहस से होगी, नष्ट बाधा-आपदा।।
होना निराश न दीर्घ पथ पर, तुम अकेले हो अगर।
आत्मबल को साथ ले, बढ़ना निरंतर तुम उधर।।
धोखा भी देंगे कुछ तुम्हें, कुछ मित्र रूठेंगे कहीं।
पर आत्मबल वह है सखा, जो छोड़ सकता है नहीं।।

(क) लक्ष्य निश्चित कर लेने के पश्चात् मनुष्य को क्या कर्म करना चाहिए? 1

(ख) 'मार्ग में काँटे मिलेंगे, नोक तीखी निज किए' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। 1

(ग) मनुष्य बाधा-आपदा को कैसे नष्ट कर सकता है? 1

(घ) आत्मबल की तुलना किससे की गई है और क्यों? 1

(ङ) उपयुक्त काव्यांश से क्या प्रेरणा मिलती है? 1

## खण्ड - 'ख'

3. (क) निम्नलिखित समस्तपद का विग्रह करते हुए समास का भेद बताइए - 1

नवग्रह अथवा प्रयोगशाला

(ख) निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित सामासिक विग्रह का समस्तपद बनाकर समास का भेद बताइए - 1

विद्या रूपी धन खर्च करने पर बढ़ता चला जाता है।

**अथवा**

देश और विदेश से सैलानी भारत भ्रमण के लिए आते हैं।

4. (क) 'कवि' शब्द से भाववाचक संज्ञा बनाइए। 1

(ख) निम्नलिखित शब्दों में अनुस्वार तथा अनुनासिक चिह्न उचित स्थान पर लगाइए - 2

(i) जगली (ii) बासुरी

(ग) 'सुशोभित' शब्द में से उपसर्ग एवं मूल शब्द अलग करके लिखिए। 1

(घ) 'इक' प्रत्यय लगाकर एक शब्द बनाइए। 1

5. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार हल कीजिए -

(i) बच्चों ने खीर खाई और सो गए। (सरल वाक्य में बदलिए) 1

(ii) सीमा की वह घड़ी खो गई जो उसके मामा लाए थे। 1

(रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए)

(iii) ज़ोर से मत बोलो। (अर्थ के आधार पर वाक्य-भेद बताइए) 1

6. 'यमक' अथवा 'अतिशयोक्ति' अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 2+1=3

7. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो का संधि-विच्छेद कीजिए - 2

(i) सम्मान (ii) अनुच्छेद (iii) सज्जन

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक की संधि कीजिए - 1

(i) चंद्र+उदय (ii) शिव+आलय

8. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए :- 2

(i) चंद्र (ii) आग (iii) सूर्य

(ख) निम्नलिखित शब्द का विलोम लिखिए :- 1

जड़

(ग) निम्नलिखित वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए :- 1

जो अपने पैरों पर खड़ा हो

9. (क) निम्नलिखित वाक्य में उचित विराम-चिह्न लगाइए - 1

राजा उदास होकर बोला अब क्या होगा

(ख) निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त विराम-चिह्नों के नाम लिखिए - 1

अहा! काले मेघ आकाश पर छा गए हैं।

(ग) निम्नलिखित वाक्य में उचित निपात लगाकर खाली स्थान भरिए - 1

माताजी मुंबई से कल ..... आई हैं।

10. निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए - 2

दंग रह जाना

**अथवा**

आसमान सिर पर उठाना

## खण्ड - 'ग'

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

पैदल आने-जाने के निश्चय के कारण बद्रीनाथ यात्रा में ग्रीष्मावकाश समाप्त हो गया। 2 जुलाई को लौटकर जब मैं बंगले के द्वार पर आ खड़ी हुई, तब बिछुड़े हुए पालतू जीवों में कोलाहल होने लगा। गोधूली कूदकर कंधे पर आ बैठी। हेमंत-वसंत मेरे चारों ओर परिक्रमा करके हर्ष की ध्वनियों से मेरा स्वागत करने लगे, पर मेरी दृष्टि सोना को खोजने लगी। क्यों वह अपना उल्लास व्यक्त करने के लिए मेरे सिर के ऊपर से छलांग नहीं लगाती? सोना कहाँ है, पूछने पर माली आँसू पोंछने लगा और चपरासी, चौकीदार एक-दूसरे का मुख देखने लगे। वे लोग आने के साथ ही मुझे कोई दुखद समाचार नहीं देना चाहते थे, परंतु माली की भावुकता ने बिना बोले ही उसे दे डाला।

(क) लेखिका महादेवी वर्मा ग्रीष्मावकाश में किस तीर्थस्थान की यात्रा पर गई थी? 1

(ख) यात्रा से लौटने पर पालतू जीवों ने उनका स्वागत किस प्रकार किया? 1

(ग) महादेवी वर्मा की दृष्टि सोना को क्यों खोज रही थी? 1

(घ) माली, चपरासी और चौकीदार महादेवी वर्मा के आने के साथ ही दुखद समाचार नहीं देना चाहते थे- क्यों? 1

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश में महादेवी वर्मा के जिन पालतू जीवों का उल्लेख है, उनके नाम लिखिए। 1

12. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

ठुमक चलत रामचंद्र, बाजत पैंजनियाँ।
किलकि-किलकि उठत धाय, गिरत भूमि लटपटाय।
धाय मात गोद लेत, दशरथ की रानियाँ।।
अंचल रजअंग झारि, विविध भाँति सो दुलारि।
तन-मन धन वारि-वारि, कहत मृदु बचनियाँ।।

(क) पैजनियाँ से आप क्या समझते हैं? 1

(ख) 'किलकि-किलकि उठत धाय, गिरत भूमि लटपटाय' में रामचंद्र की किन क्रियाओं का उल्लेख किया गया है? 1

(ग) 'धाय मात गोद लेत' पंक्ति का अर्थ लिखिए। 1

(घ) माताएँ श्रीराम के प्रति अपना दुलार कैसे व्यक्त करती हैं? 1

(ङ) उपर्युक्त पद्यांश के रचयिता का नाम लिखिए। 1

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं छ: प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर (25-30 शब्दों में) लिखिए- 2×6=12

(क) कल्पना चावला को अंतरिक्ष यात्रा के लिए जाने का अवसर कितनी बार प्राप्त हुआ? माइकल बेरी ने आम सभा में उनके बारे में क्या कहा?

(ख) लेखक चाँद की माँ से अपनी माँ की तुलना क्यों करता है?

(ग) 'बल' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है? उनकी चोटी कैसी है?

(घ) ब्रेल लिपि का निर्माण किसने किया और किनके लिए किया?

(ङ) दोपहरी बीत जाने पर संध्या के समय की चहल-पहल कैसी नज़र आती है?

(च) 'कामचोर' कहानी में बच्चों ने किन-किन कार्यों को करने की ठानी?

(छ) जीवनलाल की दहेज लोभी प्रवृत्ति का अंत कब होता है? वह अपनी गलती का प्रायश्चित कैसे करता है?

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं छ: प्रश्नों के विस्तृत उत्तर (50-60) शब्दों में लिखिए- 3×6=18

(क) नीत्से ने ईर्ष्यालु लोगों की तुलना किससे की है और इनसे बचने का क्या उपाय बताया है?

(ख) बीरबल ने तोते की देख-रेख करने वाले की जान कैसे बचाई?

(ग) 'दीन दुखियों की सेवा से ईश्वर को प्राप्त किया जा सकता है।' 'दुख में हार न मानो' कविता के आधार पर इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

(घ) गाँधी जी ने स्वदेशी वस्तुओं का प्रचार एवं विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करने के लिए क्या कदम उठाया? पाठ के आधार पर बताइए।

(ङ) लेखक पड़ोसी के प्रति अपनी उदारता का परिचय किस प्रकार देते थे?

(च) मुर्गियों को दड़बे में बंद करने की कोशिश में घर में कैसा तूफान मचा?

(छ) राजेश्वरी का जीवनलाल से क्या रिश्ता है? वह उसे क्या समझाती है?

15. 'उनका दृढ़ विश्वास ही वह परम शक्ति है जिससे वे अपने भीतर प्रकाश भर लेते हैं...।' दिव्यांग लोगों के जीवन से आपको क्या प्रेरणा मिलती है? आप उनकी सहायता किस प्रकार कर सकते हैं? 'जीवन का सच' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए। 5

**अथवा**

बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए बचपन में खेले जाने वाले खेल तथा अन्य क्रिया-कलाप क्यों जरूरी है? अपने विचार इस विषय पर अभिव्यक्त कीजिए। 'पौधे के पंख' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

## खण्ड - 'घ'

16. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर (80-100 शब्दों में) अनुच्छेद लिखिए- 5

(i) पेयजल का संकट

(ii) सावधानी हटी, दुर्घटना घटी

(iii) पेड़ हमारा जीवन

17. अपने क्षेत्र में सार्वजनिक पुस्तकालय खोलने की प्रार्थना करते हुए शिक्षा विभाग के सचिव को पत्र लिखिए। 5

**अथवा**

विद्यालय के मुख्य द्वार पर बैठे खोमचेवालों की शिकायत करते हुए प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।

18. आप अपने विद्यालय की फुटबॉल टीम के कप्तान हैं। आपके नेतृत्व में टीम ने जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अविस्मरणीय अनुभव को डायरी शैली में लिखिए। 5

# PAPER VI

**खण्ड - 'क'** अधिकतम अंक 100

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

बूढ़े सियार ने भेड़ों को रोककर कहा, भाइयों और बहनों! अब भय मत करो। भेड़िया राजा संत हो गए हैं। उन्होंने हिंसा बिल्कुल छोड़ दी है। उनका हृदय परिवर्तन हो गया है। वे आज सात दिनों से घास खा रहे हैं। रात-दिन भगवान के भजन व परोपकार में लगे हैं। उन्होंने अपना जीवन जीव-मात्र की सेवा में लगा दिया है। अब वे किसी का दिल नहीं दुखाते, किसी का रोम तक नहीं छूते। भेड़ों से उन्हें विशेष प्रेम है। इस जाति ने जो कष्ट सहे हैं, उनकी याद करके कभी-कभी भेड़िया संत की आँखों से आँसू आ जाते हैं। उनकी अपनी भेड़िया जाति ने जो अत्याचार आप पर किए हैं, उनके कारण संत का माथा लज्जा से जो झुका है, सो झुका ही हुआ है, परंतु अब वे शेष जीवन आपकी सेवा में लगाकर प्रायश्चित करेंगे। आज सवेरे की बात है कि एक मासूम भेड़ के बच्चे के पाँव में काँटा लग गया तो भेड़िया संत ने उसे दाँतों से निकाला; पर जब वह बेचारा कष्ट में चल बसा तो भेड़िया संत ने सम्मानपूर्वक उसकी अंत्येष्टि क्रिया की।

(क) बूढ़ा सियार और भेड़ किसके प्रतीक हैं? 2

(ख) भेड़िया राजा संत हो गए हैं - कथन का आशय स्पष्ट कीजिए। 2

(ग) बूढ़े सियार ने भेड़िया राजा के संत होने के प्रमाण में क्या-क्या तर्क दिए? 2

(घ) भेड़िया संत के आँखों में आँसू आने के कारणों का उल्लेख कीजिए? 2

(ङ) माथा लज्जा से झुकना का अर्थ लिखिए। 1

(च) भेड़िया राजा लोकतंत्र में आप किसे मानेंगे? 1

2. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

जिस मिट्टी पर जन्म लिया,
हम उसको नहीं भुलाएँगे।
अपने रंगों से भर–भर,
हम इसको सदा सजाएँगे।
भारत देश हमारा है,
हम को प्राणों से प्यारा है।
खून, पसीने, बलिदानों से,
इस को सदा सँवारा है।

लक्ष्मी, बाबू, तिलक, लाल को
सदा याद हम रखते हैं।
हर बलिदानों के भावों से,
तिलक रोज़ हम करते हैं।
बलिदान भले ही नन्हा हो,
पर कभी नहीं बिसराएँगे।

मिला कोई अवसर हमको,
हम बन हमीद दिखलाएँगे।
निज प्राणों को अर्पित कर,
जिसको आजाद कराया।
प्रेम प्रिय उस देश को हमने,
सदा ही शीश नवाया।
पूर्वजों की पावन धरती,
को हम स्वर्ग बनाएँगे।

(क) कवि किसे न भुलाने की बात कर रहा है? 1

(ख) हमने भारत को किस प्रकार सँवारा है? 1

(ग) लक्ष्मी, बाबू, तिलक, लाल को याद रखने की बात क्यों की गई हैं? 1

(घ) कवि हमीद को क्यों याद कर रहा है? 1

(ङ) भाव स्पष्ट कीजिए - बलिदान भले ही नन्हा हो पर कभी नहीं बिसराएँगे। 1

## खण्ड - 'ख'

3. (क) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार चिह्न का प्रयोग कीजिए - ½+½=1

(1) सकल्प (2) प्रात

(ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुनासिक चिह्न का प्रयोग कीजिए - ½+½=1

(1) बासूरी (2) साप

(ग) 'निर्भय' शब्द में से उपसर्ग एवं मूल शब्द अलग करके लिखिए। 1

(घ) 'इक' प्रत्यय लगाकर एक शब्द बनाइए। 1

4. (क) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करते हुए समास का भेद भी लिखिए - 1+1=2

(1) अकाल पीड़ित (2) महात्मा

(ख) निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित विग्रह का समस्त पद बनाकर समास का भेद बताइए - ½+½=1

(1) व्यक्ति को अपनी <u>शक्ति के अनुसार</u> कार्य करने की योजना बनानी चाहिए।

5. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार हल कीजिए -

(i) रवि पढ़ने के साथ एक अच्छा खिलाड़ी है। (संयुक्त वाक्य बनाइए) 1

(ii) हमने इस वर्ष दशहरे का उत्सव उत्साह से मनाया। (रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए) 1

(iii) वह एकाएक कोई जवाब नहीं दे सका। (अर्थ के आधार पर वाक्य-भेद बताइए) 1

6. (क) 'मानवीकरण' अथवा 'श्लेष' अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 1+1=2

(ख) नीचे लिखी काव्य-पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार का नाम लिखिए। 1

हरिपद कोमल कमल-से।

7. (क) निम्नलिखित में से एक शब्द की संधि-विच्छेद कीजिए - 1

(1) राज+ऋषि (2) इति+आदि

(ख) किन्हीं दो शब्दों के संधि-विच्छेद कीजिए - 1+1=2

(1) उच्चारण (2) दिग्दर्शन (3) संवाद

8. (क) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :- 1+1=2

(1) पृथ्वी (2) सूर्य

(ख) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :- ½+½=1

(1) उत्तीर्ण (2) गुण

(ग) निम्नलिखित वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए :- 1

(1) जिसकी गहराई का पता न मिल सके।

(घ) 'सर्व' तथा 'लाल' शब्द से भाववाचक संज्ञा बनाइए। ½+½=1

(ङ) नीचे दिए गए वाक्यों में उचित निपात लगाकर खाली स्थान की पूर्ति कीजिए - ½+½=1

(1) वह ..... कब की चली गई।

(2) दादी ने आते ..... मुझे गले लगा लिया।

9. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम-चिह्न लगाइए -

(1) नेताजी ने कहा तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आज़ादी दूँगा। ½+½=1

(2) वह योग्य सुशील और मिलनसार है परंतु थोड़ा सनकी है। ½+½=1

10. निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए - ½+½=1

(1) चेहरे पर हवाइयाँ उड़ना

## खण्ड - 'ग'

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

संभवत: अब उसमें वन तथा स्वजाति का स्मृति-संसार जागने लगा था। प्राय: सूने मैदान में वह गर्दन ऊँची करके किसी की आहट की प्रतीक्षा में खड़ी रहती। वासंती हवा बहने पर वह मूक प्रतीक्षा और अधिक मार्मिक हो उठती। शैशव के साथियों और उनकी उछल-कूद से अब उसका पहले जैसा मनोरंजन नहीं होता था, अत: उसकी प्रतीक्षा के क्षण कुछ अधिक हो जाते थे।

(क) स्वजाति का स्मृति-संसार जागने से क्या अभिप्राय है? 1

(ख) वह अपनी मन:स्थिति को कैसे व्यक्त करती थी? 1

(ग) वासंती हवा का उस पर क्या प्रभाव पड़ता था? 1

(घ) उपर्युक्त गद्यांश में 'उसमें' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है? 1

(ङ) 'शैशवावस्था' से आप क्या समझते हैं? 1

12. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

बाजे बजा-बजाकर, मैं था तुझे रिझाता।
तब तू लगा हुआ था पतितों के संगठन में।।
बेबस गिरे हुओं के तू बीच में खड़ा था।
मैं स्वर्ग देखता था, झुकता कहाँ चरण में।।
दु:ख में न हार मानूँ, सुख में तुझे न भूलूँ।
ऐसा प्रभाव भर दे, मेरे अधीर मन में।।
कठिनाइयों दुखों का इतिहास ही सुयश है।
मुझको समर्थ कर तू, बस कष्ट के सहन में।।

(क) ईश्वर को प्रसन्न करने के लिए मनुष्य क्या-क्या उपाय करता है? 1

(ख) उपर्युक्त पद्यांश में लेखक किसे और किसके द्वारा एकजुट होने की बात कह रहा है? 1

(ग) इस पद्यांश में लेखक की क्या मनोकामना है? 1

(घ) 'बाजे बजा-बजाकर' में कौन-सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है? 1

(ङ) 'मुझको समर्थ कर तू, बस कष्ट के सहन में' - पंक्ति का भाव लिखिए। 1

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं छः प्रश्नों के उत्तर (25-30 शब्दों में) लिखिए- 2×6=12

(क) 'पौधे के पंख' के आधार पर लिखिए कि लेखक को बाहर अन्य बच्चों के साथ खेल खेलने के लिए न भेजे जाने के कारण उसकी मानसिक दशा पर क्या प्रभाव पड़ा?

(ख) कभी अपने आप काम न करने वाले बच्चों में कार्य करने की होड़ मचने के पीछे दो कारण कौन-कौन से थे? 'कामचोर' पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए।

(ग) 'दोपहरी' कविता में कवि ने काली चाबुक की तुलना किससे की है और इस चाबुक की चोट घोड़े पर किस प्रकार पड़ती है?

(घ) 'जीवन का सच' पाठ में सराह फुलर की सहायता एवं हेलेन के अथक प्रयास का परिणाम क्या रहा?

(ङ) 'बहु की विदा' एकांकी में जीवन लाल किस मरहम की बात करते हैं? क्या उन्हें वह मरहम मिला?

(च) 'सूददास' ने अपने छंद में 'बल' शब्द किसके लिए प्रयुक्त किया है और उनकी चोटी कैसी है?

(छ) 'सितारों से आगे' पाठ में कल्पना चावला के परिवार का मूल मंत्र क्या था?

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं छः प्रश्नों के उत्तर (50-60) शब्दों में लिखिए- 3×6=18

(क) लेखक और उनके पड़ोसी का व्यवहार एक-दूसरे के प्रति कितना उदार था? 'बातचीत की कला' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'गाँधी जी केवल उपदेशक नहीं थे, कर्मयोगी थे' – 'आश्रम के अतिथि और संस्मरण' पाठ के आधार पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(ग) 'मुस्कराहट का कोष लुटाने वालों के दोनों हाथों में लड्डू होते हैं' – 'बातचीत की कला' पाठ के आधार पर आश्य स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'सोना' रेखाचित्र के आधार पर घर, विद्यालय और छात्रावास में सोना के क्रिया-कलापों का वर्णन कीजिए।

(ङ) 'दु:ख में हार न मानों' कविता में रचनाकार का मूल उद्देश्य क्या है? अपने शब्दों में उत्तर लिखिए।

(च) नीत्से ने ईर्ष्यालु लोगों को किसके समान बताया है और उनसे बचने के क्या उपाय बताए हैं? 'ईर्ष्या: तू न गई मेरे मन से' पाठ के आधार पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

(छ) 'बहु की विदा' पाठ के आधार पर कमला एवं राजेश्वरी के चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

15. 'कामचोर' कहानी आज के युवा वर्ग के लिए क्या संदेश देती है? कहानी की प्रासंगिकता बताते हुए स्पष्ट कीजिए। 5

**अथवा**

मनुष्य के आनन्द में ईर्ष्या किस प्रकार बाधक बनती है – सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

## खण्ड – 'घ'

16. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर (80-100 शब्दों में) अनुच्छेद लिखिए- 5

(i) यदि मैं डॉक्टर होता

(ii) भ्रष्टाचार की समस्या

(iii) लड़की-लड़का एक समान

17. सड़क के चौराहे पर लाल बत्ती न होने से अनेक दुर्घटनाएँ हो रही हैं। इन्हें कैसे रोका जा सकता है? इस संबंध में यातायात अधिकारी को पत्र लिखिए। 5

**अथवा**

अपने क्षेत्र के पार्क की सफाई करवाने हेतु नगर निगम अधिकारी को पत्र लिखिए।

18. आपने अपने एक मित्र के इलाज में सहायता की। उस अनुभव को एक डायरी शैली में लिखिए। 5

# PAPER VII

## खंड–'क'

अधिकतम अंक 80

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

मनुष्य का जीवन संसार के छोटे-बड़े प्राणियों और पदार्थों में श्रेष्ठ माना गया है। वह इसलिए कि मनुष्य बड़ा बुद्धिमान और कल्पनाशील प्राणी है। अपने विचारों के बल पर ही वह जो चाहे कर सकता है और बहुत ऊँचा उठ सकता है। परंतु विचार, सच्चे, सादे और पवित्र होने के साथ-साथ मनुष्य के व्यावहारिक जीवन से संबंध रखने वाले होने चाहिए। इन्हीं बातों को आधार बना कर 'सादा जीवन, उच्च विचार' को मानव-जीवन की सफलता की सीढ़ी माना गया है। सादगी मनुष्य के पहनावे से नहीं, बल्कि उसके प्रत्येक हाव-भाव, विचार तथा जीवन के ढंग से टपकनी चाहिए। यही वास्तविक सादगी है, जो विचारों को भी उच्च बनाकर सब प्रकार की उन्नति और विकास का कारण बनती है। संसार का इतिहास इस बात का गवाह है कि आरंभ से ही सादगी पसंद व्यक्ति ही जनता को उच्च विचार दे कर उन्नति और विकास की राह प्रशस्त करते आ रहे हैं। महात्मा बुद्ध, संत कबीर, गुरु नानक, महात्मा गाँधी, विनोबा भावे आदि इस तथ्य के प्रत्यक्ष प्रमाण हैं।

(क) मनुष्य का जीवन श्रेष्ठ क्यों माना गया है? 2

(ख) उन्नति करने के लिए मनुष्य के विचार कैसे होने चाहिए? 2

(ग) वास्तविक सादगी किसे और क्यों कहा गया है? 2

(घ) महापुरुषों के जीवन का उदाहरण क्यों दिया गया है? 2

(ङ) 'सफलता' में से मूल शब्द एवं प्रत्यय छाँट कर लिखिए। 1

(च) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1

2. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

आ रही रवि की सवारी

नव-किरण का रथ सजा है

कलि-कुसुम से पथ सजा है

बादलों-से अनुचरों ने स्वर्ण की पोशाक धारी

आ रही रवि की सवारी

विहग बंदी और चारण

गा रहे हैं कीर्ति गायन

छोड़ कर मैदान भागी तारकों की फौज सारी

आ रही रवि की सवारी

चाहता उछलूँ विजय कह

पर ठिठकता देख कर यह

रात का राजा खड़ा है राह में बन कर भिखारी

आ रही रवि की सवारी

(क) काव्यांश में किस प्राकृतिक दृश्य का वर्णन किया गया है? 1

(ख) कवि के ठिठकने का क्या कारण है? 1

(ग) 'रात का राजा' कह कर किसे संबोधित किया गया है? 1

(घ) रवि के आने से मैदान छोड़ कर कौन भागी और क्यों? 1

(ङ) रवि के पथ की क्या विशेषता है? 1

## खंड–'ख'

3. (क) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए– 2

(i) प्रयोगशाला (ii) नीलकंठ

(ख) निम्नलिखित विग्रह का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए– 1

पाँच तंत्रों का समाहार

4. (क) निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए– 2

(i) सर्वाधिक (ii) राजर्षि

(ख) निम्नलिखित की संधि कीजिए– 1

सत् + वाणी

5. (क) 'रात' के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए। 1

(ख) 'तरल' का विलोम शब्द लिखिए। ½

(ग) दिए गए वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए– ½

जिसकी गहराई का पता न मिल सके

6. (क) निम्नलिखित वाक्य को शुद्ध करके लिखिए– 1

(i) मुझे एक गीतों की पुस्तक चाहिए।

(ख) दिए गए वाक्य में उचित विराम चिह्न लगाइए– 2

(i) तुलसीदास जी ने रामचरितमानस लिखी थी

(ii) मैंने आदरपूर्वक पूछा, देवी क्या आज्ञा है

7. (क) दिए गए वाक्य में उचित निपात लगाकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए– ½

माताजी मुंबई से कल ..... आई हैं।

(ख) निम्नलिखित वाक्य में रिक्त स्थान में उचित विशेषण भरिए एवं उसका भेद भी लिखिए– 1

गुलाब का फूल ..... होता है।

(ग) 'कवि' शब्द से भाववाचक संज्ञा बनाइए। ½

8. (क) निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए– 2

(i) बच्चों ने खीर खाई और सो गए। (सरल वाक्य)

(ii) अँधेरी रात में चारों ओर सन्नाटा छाया हुआ था। (संयुक्त वाक्य)

(ख) अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद बताइए– 1

यदि तुम मेहनत करती तो तुम्हारे अच्छे अंक आते।

9. निम्नलिखित वाक्य में उचित मुहावरे भर कर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए– 1

परस्पर विरोधी दलों का सहारा लेना अपने ..... मारने जैसा है।

10. (क) 'मधुर-मधुर मुसकान मनोहर' – पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार का नाम लिखिए। 1

(ख) 'उपमा' अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार की परिभाषा लिखिए। 2

## खंड-'ग'

11. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़ कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

ठुमक चलत रामचंद्र, बाजत पैंजनियाँ।

किलकि-किलकि उठत धाय, गिरत भूमि लटपटाय।

धाय माय गोद लेत, दशरथ की रनियाँ।।

अंचल रज अंग झारि, विविध भाँति सो दुलारि।

तन मन धन वारि-वारि, कहत मृदु बचनियाँ।।

(क) माताएँ श्री राम के किस रूप को देखकर प्रसन्न होती हैं? 1

(ख) माताएँ उन्हें गोद में क्यों उठा लेती हैं? 1

(ग) श्री राम के मधुर वचनों पर माताएँ क्या न्योछावर करने को तैयार हैं? 1

12. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

तय हुआ कि भैंस की अगाड़ी-पिछाड़ी बाँध दी जाए और फिर काबू में लाकर दूध दूह लिया जाए। बस, झूले की रस्सी उतार कर भैंस के पैर बाँध दिए गए। पिछले दो पैर चाचा जी की चारपाई के पायों से बाँध, अगले दो पैर को बाँधने की कोशिश जारी थी कि भैंस चौकन्नी हो गई। छूटकर जो भागी तो पहले चाचा जी समझे कि शायद कुछ सपना देख रहे हैं। फिर जब चारपाई पानी के ड्रम से टकराई और पानी छलक कर गिरा तो समझे कि आँधी-तूफान में फँसे हैं। साथ में भूचाल भी आया हुआ है। फिर जल्दी ही उन्हें असली बात का पता चल गया और वह पलंग की दोनों पटियाँ पकड़े, बच्चों को साँड की तरह छोड़ देने वालों को बुरा-भला सुनाने लगे।

(क) बच्चों ने भैंस का दूध निकालने के लिए क्या किया? 1

(ख) चाचा जी को वास्तविकता का पता कब चला? 1

(ग) चाचा जी ने अपनी इस दशा के लिए किसे जिम्मेदार माना और क्यों? 1

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर (25-30 शब्दों में) लिखिए–2×4=8

(क) राजेश्वरी जीवनलाल को क्या सीख देती है?

(ख) बोलने की प्रबल इच्छाशक्ति के कारण हेलेन क्या-क्या करती थीं?

(ग) सोना के शैशवास्था के रूप सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

(घ) श्रीधर कौन था और वह लेखक के घर क्यों आया था?

(ङ) ईर्ष्यालु लोगों से बचने का क्या उपाय है?

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के विस्तृत उत्तर (50-60 शब्दों में) लिखिए– 3×4=12

(क) 'सितारों से आगे' पाठ में कल्पना के किस कदम को साहसिक बताया गया है और क्यों?

(ख) आश्रमवासी गाँधी जी से शिकायत करने की हिम्मत क्यों नहीं रखते होंगे?

(ग) 'दोपहरी' कविता में कवि श्वान और घोड़े के माध्यम से समाज की किस स्थिति को चित्रित करना चाहता है?

(घ) हेलेन केलर का जीवन सबको क्या प्रेरणा देता है?

(ङ) 'ईर्ष्या से मनुष्य के आनंद में भी बाधा पड़ती है' – कथन को उदाहरण द्वारा सिद्ध कीजिए।

15. बातचीत की कला मनुष्य के चरित्र-निर्माण में किस प्रकार सहायक है? उचित उदाहरणों से अपनी बात को स्पष्ट कीजिए। 4

**अथवा**

'दुख में हार न मानो' कविता का मूल संदेश स्पष्ट कीजिए।

## खंड–'घ'

16. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर (लगभग 80–100 शब्दों में) अनुच्छेद लिखिए– 5

(क) हमारा जीवन और समाचार पत्र

(ख) विज्ञान के चमत्कारों ने बदला पृथ्वी का स्वरूप

(ग) जल–संरक्षण का महत्त्व

17. आप अमित/अमिता हैं। आप ए–104, निर्माण अपार्टमेंट, विश्वास नगर, दिल्ली के निवासी हैं। अपने क्षेत्र में हाल ही में उत्पन्न हुए बिजली संकट की समस्या के समाधान हेतु विद्युत विभाग के अधिकारी को पत्र लिखिए। 5

18. आप नमन/नमिता हैं। आप विद्यालय के/की सांस्कृतिक सचिव हैं। आपके विद्यालय में 'अंतर्सदनीय वाद–विवाद प्रतियोगिता' का आयोजन किया जाना है। प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक विद्यार्थियों को आमंत्रित करते हुए एक सूचना लिखिए। 5

# PAPER VIII

**खंड–क** अधिकतम अंक 80

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

संसार में अमरता ऐसे ही लोगों को मिलती है जो अपने पीछे कुछ आदर्श छोड़ जाते हैं जिनका स्थायी मूल्य होता है। बहुधा यही देखा गया है कि ऐसे व्यक्ति संपन्न परिवार में बहुत कम पैदा होते हैं। अधिकांश ऐसे लोगों का जन्म मध्यम वर्ग के घरों में या गरीब परिवारों में ही होता है। इस तरह उनका पालन–पोषण साधारण परिवार में ही होता है और वे सादा जीवन बिताने के अभ्यस्त हो जाते हैं।

मनुष्य में विनय, उदारता, कष्ट–सहिष्णुता, साहस आदि चारित्रिक गुणों का विकास अत्यावश्यक है। इन गुणों का प्रभाव उसके जीवन पर पड़ता है। ये गुण व्यक्ति के जीवन को अहंकारहीन और सादा–सरल बनाते हैं। सादा जीवन या सादगी का अर्थ है, रहन–सहन, वेशभूषा और आचार–विचारों का एक निर्दिष्ट स्तर। जीवन में सादगी लाने के लिए दो बातें विशेष रूप से करणीय हैं। प्रथम, कठिन से कठिन परिस्थितियों में धैर्य को न छोड़ना, द्वितीय, अपनी आवश्यकताओं को न्यूनतम बनाना।

सादगी का विचारों से भी घनिष्ठ संबंध है। अतः सादा जीवन व्यतीत करना चाहिए और अपने विचारों को उच्च बनाए रखना चाहिए। व्यक्ति की सच्ची पहचान उसके विचारों और कर्म से होती है। मनुष्य के विचार उसके आचरण पर प्रभाव डालते हैं और उसके विवेक को जागृत रखते हैं। विवेकशील व्यक्ति ही अपनी आवश्यकताओं को सीमित रखता है, उन्हें अपने ऊपर हावी नहीं होने देता। सादा जीवन व्यतीत करने वाले व्यक्ति को कभी हतप्रभ होकर अपने आत्मसम्मान पर आँच नहीं आने देनी चाहिए। सादगी मनुष्य के चरित्र का अंग है, वह बाहरी चीज़ नहीं है।

(क) महापुरुष प्रायः कैसे परिवारों में जन्म लेते हैं? इससे उनके व्यक्तित्व पर क्या प्रभाव पड़ता है? 2

(ख) सादगी से क्या अभिप्राय है? जीवन में सादगी लाने के लिए हमें क्या करना चाहिए? 2

(ग) कौन से गुण मनुष्य के चरित्र को उच्च व आदर्श बनाते हैं? 2

(घ) 'रहन-सहन में सादगी' का विचारों पर क्या प्रभाव पड़ता है? 2

(ङ) विवेकशील व्यक्ति की क्या पहचान है? 1

(च) गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1

2. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

अब भी कुछ लोगों के दिल में,
नफरत अधिक, प्यार है कम
हम जब होंगे बड़े,
घृणा का नाम मिटाकर लेंगे दम।
हिंसा के विषमय प्रवाह में,
कब तक और बहेगा देश।
जब हम होंगे बड़े देखना,
नहीं रहेगा यह परिवेश।
भ्रष्टाचार, जमाखोरी की आदत बहुत पुरानी है,
ये कुरीतियाँ मिटा हमें तो नई चेतना लानी है।

एक घरौंदे जैसा आखिर कितना और ढहेगा देश,

जब हम होंगे बड़े देखना,

ऐसा नहीं रहेगा देश।

इसकी बागडोर हाथों में,

जरा हमारे आने दो,

थोड़ा-सा बस पाँव हमारा,

जीवन में टिक जाने दो।

हम खाते हैं शपथ, दुर्दशा कोई नहीं सहेगा देश,

घोर अभावों की ज्वाला में,

कल से नहीं ढहेगा देश।

(क) ''ये कुरीतियाँ मिटा हमें तो नई चेतना लानी है'' पंक्ति में किन कुरीतियों को मिटाने की बात कही गई है? 1

(ख) कवि बड़ा होकर किस बुराई को मिटाना चाहता है? 1

(ग) कविता में 'इसकी' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है? 1

(घ) कवि के अनुसार अब तक हमारा देश किस प्रवाह में बह रहा है? 1

(ङ) 'थोड़ा-सा पाँव हमारा जीवन में टिक जाने दो' पंक्ति का क्या आशय है? 1

## खंड-'ख'

3. (क) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करते हुए समास का नाम भी लिखिए– 2

विश्वविद्यालय पंचवटी

(ख) निम्नलिखित विग्रह का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए– 1

चंद्र के समान मुख

4. (क) निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए– 2

महोदय , वाङ्मय

(ख) निम्नलिखित की संधि कीजिए– 1

उत् + ज्वल

5. (क) 'उपहार' शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए। 1

(ख) 'ठोस' शब्द का विलोम शब्द लिखिए। ½

(ग) दिए गए वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए– ½

जिसकी गहराई का पता न मिल सके–

6. (क) निम्नलिखित वाक्य को शुद्ध करके लिखिए– 1

आकाश में अनेक पक्षी उड़ रहा है।

(ख) दिए गए वाक्य में उचित विराम-चिह्न लगाइए– 2

अहा कैसे काले काले मेघ चारों ओर से घिर कर आकाश में छा गए

7. (क) दिए गए वाक्य में उचित निपात लगाकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए–

यह काम कर ..... लेने दो। ½

(ख) 'वीरता' शब्द से विशेषण शब्द बनाइए। 1

(ग) 'कवि' शब्द से भाववाचक संज्ञा बनाइए। ½

8. (क) दिए गए वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए– 2

(i) डॉक्टर ने रोगी को देखा और दवाई दी। (सरल वाक्य में बदलिए)

(ii) मैंने एक बहुत बीमार आदमी देखा। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ख) रचना के आधार पर वाक्य भेद बताइए– 1

माताजी ने शोभा को डाँटा क्योंकि वह खाना नहीं खा रही थी।

9. 'नाक वाला होना' मुहावरे का वाक्य में प्रयोग कीजिए। 1

10. (क) 'नील गगन-सा हृदय शांत हो रहा'–पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार का नाम लिखिए। 1

(ख) 'उत्प्रेक्षा' अथवा 'मानवीकरण' अलंकार की परिभाषा लिखिए। 2

## खंड-'ग'

11. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

मैं ढूँढता तुझे था, जब कुंज और वन में।
तू खोजता मुझे था, तब दीन के सदन में।।
तू 'आह' बन किसी की, मुझको पुकारता था।
मैं था तुझे बुलाता, संगीत में भजन में।।
मेरे लिए खड़ा था, दुखियों के द्वार पर तू।
मैं बाट जोहता था, तेरी किसी चमन में।।

(क) ईश्वर कवि को कहाँ खोज रहा था? 1

(ख) ''तू आह बन किसी की मुझको पुकारता था'' पंक्ति में 'आह' शब्द में निहित भावना व्यक्त कीजिए। 1

(ग) कवि ईश्वर को कहाँ-कहाँ खोज रहा था? 1

12. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

अपनी कोठी के सामने वाली कोठी में मैं शाम को बहुत से बच्चों को देखता हूँ। वे आपस में लड़ते और खेलते रहते हैं। मेरा मन कितनी बार उनके साथ खेलने के लिए ललक उठा है, पर मेरे घर के बड़े मुझे खेलने नहीं जाने देते। उन्हें डर है कि कहीं चोट-चपेट न खा जाऊँ, कहीं मुझे नज़र न लग जाए! अब तो मैं खुद ही खेल-कूद से डरने लगा हूँ। अपने लॉन में ही मैं अपने नौकर किसनू के साथ खेलता रहता हूँ।

(क) लेखक अपने सामने वाली कोठी में क्या देखता है? 1

(ख) लेखक के घरवाले उसे बाहर खेलने क्यों नहीं जाने देते थे? 1

(ग) खेल में लेखक का साथी कौन है? 1

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर (25-30 शब्दों में) लिखिए–2×4=8

(क) 'कामचोर' कहानी में घर की खराब हालत को देखकर अम्मा, अब्बा और बच्चों ने जो निर्णय लिया, क्या वह उचित है?

(ख) 'सोना' के शैशवावस्था के रूप सौन्दर्य के बारे में लिखिए।

(ग) सारह फुलर से हेलेन ने किस प्रकार बोलना सीखा?

(घ) बीरबल ने अपने किन गुणों से तोते की देख-रेख करने वालों की जान बचाई?

(ङ) 'दोपहरी' कविता के आधार पर गर्मी में बड़े घरों के कुत्तों और आम आदमी को प्राप्त सुविधाओं की तुलना कीजिए।

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के विस्तृत उत्तर (50-60 शब्दों में) लिखिए– 3×4=12

(क) कल्पना चावला ने कब-कब अंतरिक्ष यात्रा की और उन्हें किस-किस कार्य की जिम्मेदारी दी गई?

(ख) राम और कृष्ण की बाल लीलाओं में से आपको किसकी बाल-लीला अधिक रुचिकर लगती है, उसके बारे में लिखिए।

(ग) सोना की मृत्यु कैसे हुई?

(घ) 'बहू की विदा' पाठ में जीवनलाल किस मरहम की बात कर रहे हैं? उन्हें वे मरहम किस प्रकार मिलता है?

(ङ) ईर्ष्या जैसा दुर्गुण हमारे भीतर न आए इसके लिए हमें क्या सावधानी बरतनी होगी? 'ईर्ष्या तू न गई मेरे मन से' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

15. हेलेन केलर का जीवन किस प्रकार हमें कठिनाइयों से न घबराने तथा दृढ़ संकल्प से अपना कार्य करने की प्रेरणा देता है? 4

**अथवा**

''गाँधी जी केवल उपदेशक नहीं थे, कर्मयोगी थे'' कैसे? 'आश्रम के अतिथि और संस्मरण' पाठ के आधार पर लिखिए।

## खंड-'घ'

16. निम्नलिखित विषयों में से किसी <u>एक</u> विषय पर (80-100 शब्दों में) अनुच्छेद लिखिए- 5

(i) भारतीय किसान

(ii) सबसे प्यारा देश हमारा

(iii) सफलता का मूल मंत्र – परिश्रम

17. पुस्तकालय में हिंदी की पुस्तकें तथा पत्रिकाएँ मँगवाने के लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए। 5

18. बिरला विद्या निकेतन, नई दिल्ली के साहित्य सचिव प्रशांत की ओर से निर्धारित तिथि तक कविता वाचन प्रतियोगिता के लिए नाम देने की सूचना तैयार कीजिए। 5

❐❐❐

# PAPER IX

## खंड–'क'

अधिकतम अंक 80

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

जीवन रुकने का नाम नहीं चलते रहने का नाम है। कुछ लोग असफलता की अवस्था में निराश होकर अपने उत्साह का दामन छोड़ बैठते हैं। वे भूल जाते हैं कि परिश्रम एवं प्रयत्न में तो भाग्य को भी बदल देने की क्षमता रहती है। आलसी बनकर रोना-धोना व्यर्थ है। मनुष्य इस संसार का सर्वश्रेष्ठ प्राणी है। अतः उसे अपना जीवन सार्थक बनाने के लिए आशा का सहारा लेना चाहिए। आलसी बनकर समय व्यर्थ बिताना अपने साथ अन्याय करना है। हमें अपने साधनों एवं क्षमताओं का प्रयोग कर प्रगति के पथ पर बढ़ना चाहिए। हमें भावात्मक कार्य की अपेक्षा रचनात्मक कार्य करना चाहिए। दुख में घबराना कायरता का प्रतीक है। हर शाम को सूरज को ढलना ही है। रात को आना ही है तो क्या अँधेरे में हाथ पर हाथ रख कर बैठे रहा जाए या उठकर एक दीपक जला लें। सूर्य के समक्ष दीपक की क्या बिसात! पर एक दीपक भी पर्याप्त है एक घर को रोशन कर देने के लिए।

(क) जीवन क्या है? 2

(ख) असफलता की स्थिति में व्यक्ति का क्या कर्त्तव्य है? 2

(ग) प्रगति के पथ पर अग्रसर होने के लिए क्या आवश्यक है? 2

(घ) भावात्मक कार्य की अपेक्षा रचनात्मक कार्य क्यों करना चाहिए? 2

(ङ) 'एक दीपक भी पर्याप्त है घर को रोशन करने के लिए'–पंक्ति से क्या अभिप्राय है? 1

(च) गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1

2. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

मैंने छुटपन में छिपकर पैसे बोए थे,
सोचा था, पैसों के प्यारे पेड़ उगेंगे,
रुपयों की कलदार मधुर फसलें खनकेंगी,
और, फूल-फलकर, मैं मोटा सेठ बनूँगा।
पर बंजर धरती में एक न अंकुर फूटा,
बंध्या मिट्टी ने न एक भी पैसा उगला,
सपने जाने कहाँ मिटे, सब धूल हो गए।
मैं हताश हो, बाट जोहता रहा दिनों तक,
बाल कल्पना के अपलक पाँवड़े बिछाकर।
मैं अबोध था, मैंने गलत बीज बोए थे,
ममता को रोपा था, तृष्णा को सींचा था।।

(क) किस अवस्था में कवि ने पैसे बोए थे? 1

(ख) कवि ने पैसों को क्यों बोया था? 1

(ग) पैसे बोने से कवि को क्या प्राप्त हुआ? 1

(घ) काव्यांश में 'बंजर' शब्द का प्रयोग क्यों किया गया है? 1

(ङ) कुछ दिनों के बाद कवि ने क्या महसूस किया? 1

## खंड-'ख'

3. (क) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए– 2

(i) नीलकंठ (ii) दोपहर

(ख) निम्नलिखित विग्रह का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए– 1

माल के लिए गोदाम

4. (क) निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए– 2

(i) उमेश (ii) वागीश

(ख) निम्नलिखित शब्द की संधि कीजिए– 1

उत् + नयन

5. (क) निम्नलिखित शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए– 1

संसार

(ख) निम्नलिखित शब्द का विलोम शब्द लिखिए– ½

सबल

(ग) निम्नलिखित वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए– ½

जिसकी गहराई का पता न मिल सके–

6. (क) निम्नलिखित वाक्य में उचित विराम चिह्न लगाकर वाक्य को दोबारा लिखिए– 2

मैंने आदरपूर्वक पूछा क्या आदेश है

(ख) निम्न वाक्य को शुद्ध करके पुनः लिखिए– 1

दुष्टों के भय से डरो मत

7. (क) दिए गए वाक्य में उचित निपात लगाकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए– ½

मेरे पास ..... दस रुपए हैं।

(ख) 'गुरु' शब्द का भाववाचक संज्ञा शब्द लिखिए। ½

(ग) 'अर्थ' शब्द से विशेषण शब्द बनाइए। 1

8. (क) निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए– 2

(i) मैंने एक बीमार व्यक्ति देखा। (मिश्रित वाक्य)

(ii) मुझे परीक्षा देनी है, इसलिए लखनऊ जा रही हूँ। (सरल वाक्य)

(ख) अर्थ के आधार पर वाक्य का भेद बताइए– 1

काश! हम चाँद की सैर करते।

9. 'आसमान सिर पर उठाना' मुहावरे का वाक्य में प्रयोग कीजिए। 1

10. (क) ''काली घटा का घमंड घटा'' – पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार का नाम लिखिए। 1

(ख) 'अनुप्रास' अलंकार अथवा 'उपमा' अलंकार की परिभाषा लिखिए। 2

## खंड-'ग'

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

सारा घर धूल से अट गया। खाँसते-खाँसते सब बेदम हो गए। सारी धूल जो दरी पर थी, जो फर्श पर थी, सबके सिरों पर जम गई। नाकों और आँखों में घुस गई। बुरा हाल हो गया सबका। मार-माकर हम लोगों को आँगन में निकाला गया। वहाँ हम लोगों ने फौरन झाड़ू देने का फैसला किया। झाड़ू क्योंकि एक थी और तनख्वाह लेने वाले उम्मीदवार बहुत, इसलिए क्षण-भर में झाड़ू के पुर्जे उड़ गए। जितनी सींकें जिसके हाथ पड़ीं, वह उनसे ही उलटे-सीधे हाथ मारने लगा।

(क) उड़ती धूल से घर में क्या-क्या परिवर्तन हुए? 1

(ख) अम्मा ने अपना सिर क्यों पकड़ लिया? 1

(ग) बच्चे सफाई कर रहे थे, फिर धूल से घर क्यों भर गया? 1

12. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़ कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

मैं ढूँढ़ता तुझे था, जब कुंज और वन में।
तू खोजता मुझे था, तब दीन के सदन में।।

तू 'आह' बन किसी की, मुझको पुकारता था।
मैं था तुझे बुलाता, संगीत में भजन में।।

मेरे लिए खड़ा था, दुखियों के द्वार पर तू।
मैं बाट जोहता था तेरी किसी चमन में।।

बनकर किसी के आँसू, मेरे लिए बहा तू।
आँखें लगी थीं मेरी, तब मान और धन में।।

(1) मनुष्य ईश्वर को किन-किन स्थानों पर ढूँढने का प्रयास कर रहा है? 1

(2) उपर्युक्त पद्यांश में किसकी 'आह' की बात कही गई है? 1

(3) ईश्वर कवि को कहाँ खोजता रहता है? 1

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>चार</u> प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर (25-30 शब्दों में) लिखिए–2×4=8

(क) गाँधी जी छगन लाल जोशी से क्यों नाराज़ हुए? 'आश्रम के अतिथि और संस्मरण' पाठ के आधार पर अपना मत प्रकट कीजिए।

(ख) 'बहू की विदा' एकांकी में जीवन लाल अपने बेटे रमेश की प्रशंसा प्रमोद से किस प्रकार से कर रहा था?

(ग) 'सोना' महादेवी वर्मा से अपना स्नेह किस प्रकार प्रकट करती थी? 'सोना' पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए।

(घ) माताएँ श्रीराम के प्रति अपना दुलार कैसे व्यक्त करती हैं? 'तुलसी के पद' के आधार पर लिखिए।

(ङ) गर्मी की दोपहरी में घोड़ा आगे बढ़ने के लिए क्यों विवश था? 'दोपहरी' कविता के आधार पर अपना उत्तर लिखिए।

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>चार</u> प्रश्नों के विस्तृत उत्तर (50-60 शब्दों में) लिखिए– 3×4=12

(क) श्रीधर से अपनी तुलना करने पर लेखक के विचारों में किस प्रकार परिवर्तन आया? 'पौधे के पंख' डायरी के आधार पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(ख) मुस्कराहट का कोष लुटाने वालों के दोनों हाथों में लड्डू होते हैं, कैसे? 'बातचीत की कला' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ग) जीवन के प्रति उत्साह बनाए रखना और स्वयं को मिली खुशियों को पहचानना अत्यावश्यक है, क्यों? 'जीवन का सच' पाठ के आधार पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

(घ) 'बहू की विदा' एकांकी के आधार पर राजेश्वरी की चारित्रिक विशेषताओं का विस्तार से उल्लेख कीजिए।

(ङ) दूसरों से ईर्ष्या रखना उचित या अनुचित–'ईर्ष्या : तू न गई मेरे मन से' पाठ के आधार पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

15. रोहन का उत्तर छात्रों के लिए चौंकाने वाला क्यों था? 'जीवन का सच' पाठ के आधार पर अपना उत्तर लिखिए।

**<u>अथवा</u>** 4

जीवन में निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने में परिवार का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है–'सितारों से आगे' पाठ के आधार पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

## खंड-'घ'

16. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर (80-100 शब्दों में) अनुच्छेद लिखिए– 5

(1) परिश्रम से कभी हानि नहीं होती

(2) जीवन में अनुशासन का महत्त्व

(3) स्वच्छता ही सेवा है

17. आपका नाम सुरेश / गीता है। आप देहरादून के छात्रावास में रहते हैं / रहती हैं। आप अपने पिताजी को नई पुस्तकों को खरीदने के लिए दो हजार (रुपये 2000/-) मँगवाने के लिए पत्र लिखिए। 5

18. आप अपने आसपास पानी की बर्बादी होते हुए देखते हैं। आप जल संरक्षण पर एक विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

# PAPER X

अधिकतम अंक : 80

## खंड-'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

शिक्षा के अभाव में मनुष्य पशु समान है। उनकी उन्नति के सारे रास्ते शिक्षा से ही खुलते हैं। हमारे देश में अभी साक्षरता प्रतिशत काफी कम है। केरल में शत-प्रतिशत व्यक्ति साक्षर हैं। हमारे देश में अभी भी सभी बच्चे पढ़ने के लिए स्कूल नहीं जाते हैं। इसका एकमात्र कारण माता-पिता का अज्ञान है। वे अपने बच्चों को काम करने के लिए तो भेज दते हैं, पर पढ़ाई के लिए नहीं स्कूल नहीं भेजते। वे अपने बच्चों को कमाई का माध्यम मान लेते हैं। उन्हें बच्चों के भविष्य की चिंता नहीं है। वे उनका बचपन छीन रहे हैं। 'बचपन बचाओ' आन्दोलन कई वर्षों से चल रहा है। यह आन्दोलन दो प्रमुख कार्य कर रहा है–माता-पिता को समझा-बुझाकर बच्चों को शिक्षा का महत्त्व बता रहा है, दूसरे बच्चों को बाल मज़दूरी से मुक्त करा रहा है। इस संस्था का भी यही प्रयास है कि सभी बच्चे पढ़ें और आगे बढ़ें। इस दिशा में सरकार ने एक और महत्त्वपूर्ण कदम उठाया है–शिक्षा का अधिकार देने का। अब सभी बच्चों को पढ़ने का अधिकार दिया गया है। सरकार ने उनकी पढ़ाई के लिए प्रभावी कानून बनाया है। उसे पूरी तरह से लागू करवाने के लिए वह प्रयासरत भी है। सरकारी स्कूलों में तो शत-प्रतिशत बच्चों को दाखिला मिलेगा ही, साथ ही सभी पब्लिक स्कूलों में भी उनके लिए 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित रहेंगी। इन बच्चों पर खर्च होने वाले व्यय का एक भाग सरकार वहन करेगी। इस प्रकार सभी गरीब बच्चों को भी अच्छी शिक्षा प्राप्त हो सकेगी। अब सभी बच्चे पढ़ सकेंगे और देश की प्रगति में भागीदार बन सकेंगे।

(क) शिक्षा के अभाव में मनुष्य किसके समान होता है और शिक्षा का मनुष्य के जीवन में क्या महत्त्व है? 2

(ख) हमारे देश में बच्चों के स्कूल न जाने का क्या कारण है? 2

(ग) 'बचपन बचाओ' आन्दोलन क्या है? यह क्या काम कर रहा है? 2

(घ) सरकार ने पढ़ाई के संबंध में कौन-सा कानून बनाया है? इसमें क्या व्यवस्था की गई है? 2

(ङ) 'दार' एवं 'रत' प्रत्यय युक्त दो शब्द गद्यांश में से छाँट कर लिखिए। 1

(च) गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1

2. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

आज ही यह सुबह है बहुत सुंदर,
कह रही उठ नया काम कर, नाम कर।

जो अधूरी रही वह सुबह कल गई,
मान ले अब यही कुछ कमी रह गई।
ले नई ताज़गी यह सुबह आ गई,
कह रही मीत उठ, बात कर कुछ नई
ओ सृजन-दूत तू, शक्ति पूत तू,
क्यों खड़ा राह में अश्व यों थाम कर।

दूसरों की बनाई डगर छोड़ दे,
तू नई राह पर कारवाँ मोड़ दे,
फोड़ दे तू शिलाएँ चुनौती भरी–
क्रूर अवरोध को तोड़ दे,

व्यर्थ न जाने पाए महापर्व यह–

जो स्वयं आ गया आज तेरी डगर।

(क) नई सुबह क्या संदेश दे रही है? 1

(ख) कौन-सी सुबह अधूरी थी और क्यों? 1

(ग) आज की और बीते दिन की सुबह में क्या अंतर है? 1

(घ) दूसरों की बनाई राह छोड़ने के लिए क्यों कहा गया है? 1

(ङ) 'क्रूर अवरोध को तोड़ दे' पंक्ति का भाव लिखिए। 1

## खंड–'ख'

3. (क) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कर समास का नाम भी लिखिए– 2

(i) चक्रधर (ii) यथासमय

(ख) निम्नलिखित विग्रह का समस्त पद बनाकर समास का नाम भी लिखिए– 1

सौ अब्दों का समूह

4. (क) निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए– 2

(i) उपाध्यक्ष (ii) महोत्सव

(ख) निम्नलिखित की संधि कीजिए– 1

जगत् + ईश

5. (क) 'भेंट' शब्द के दो पर्यायवाची लिखिए। 1

(ख) 'तरल' शब्द का विलोम लिखिए। ½

(ग) नीचे दिए गए वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए– ½

जिसे हराया न जा सके–

6. (क) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए– 2

(i) उन कमरे में बिजली नहीं है।

(ii) आकाश में अनेकों पक्षी उड़ रहे हैं।

(ख) दिए गए वाक्य में उचित विराम चिह्न लगाइए–

(i) भाई भरत तुम अयोध्या लौट जाओ 1

7. (क) दिए गए वाक्य में उचित निपात लगाकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए–

खेलों में ..... मैं बहुत कम भाग लेता हूँ। ½

(ख) 'आगे' शब्द से विशेषण बनाइए। 1

(ग) 'व्यक्ति' शब्द से भाववाचक संज्ञा बनाइए। ½

8. (क) दिए गए वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए– 2

(i) सफेद गाय चर रही थी। (मिश्रित वाक्य)

(ii) माताजी ने शोभा को डाँटा क्योंकि वह खाना नहीं खा रही थी। (सरल वाक्य)

(ख) अर्थ के आधार पर वाक्य का भेद बताइए– 1

ज़ोर से मत बोलो।

9. 'सिर आँखों पर बिठाना' मुहावरे का वाक्य में प्रयोग कीजिए। 1

10. (क) 'चारू चंद्र की चंचल किरणें' – पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार का नाम लिखिए। 1

(ख) 'मानवीकरण' अथवा 'यमक' अलंकार की परिभाषा लिखिए। 2

## खंड–'ग'

11. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़ कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

मैया कबहिं बढ़ैगी चोटी

किती बार मोहिं दूध पिवत भई यह अजहूँ है छोटी।

तू तो कहती बल की बैनी ज्यों ह्वै है लांबी मोटी।

काढ़त गुहत न्हवावत ओछत नागिनि–सी भुंई लोटी।।

(क) यशोदा मैया से कौन क्या शिकायत कर रहे हैं? 1

(ख) 'बल' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है? उनकी चोटी कैसी है? 1

(ग) 'नागिनि–सी भुंई लोटी' में प्रयुक्त अलंकार का नाम बताइए। 1

12. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

संभवत: वह सोना की स्नेही और अहिंसक प्रकृति से परिचित हो गई थी। पिल्लों के बड़े होने पर और उनकी आँखें खुल जाने पर सोना ने उन्हें भी अपने पीछे घूमने वाली सेना में सम्मिलित कर लिया और मानो इस वृद्धि की उपलब्धि में आनंदोत्सव मनाने के लिए अधिक देर तक मेरे सिर पर आर–पार चौकड़ी भरती रही। पर कुछ दिनों के उपरांत जब यह आनंदोत्सव पुराना पड़ गया, तब उसकी शब्दहीन, संज्ञाहीन प्रतीक्षा की स्तब्ध घड़ियाँ फिर लौट आईं।

(क) सोना की अहिंसक प्रकृति से कौन परिचित हो गई थी? 1

(ख) आनंदोत्सव में वृद्धि के लिए सोना क्या करती थी? 1

(ग) सोना के जीवन में शब्दहीन, संज्ञाहीन प्रतीक्षा की स्तब्ध घड़ियाँ कब लौट आईं? 1

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर (25-30 शब्दों में) लिखिए–2×4=8

(क) कल्पना चावला ने अपनी किन विशेषताओं से अपने सपनों को साकार किया?

(ख) राजेश्वरी देवी ने जीवनलाल को क्या समझाया और उसके समझाने का उन पर क्या प्रभाव पड़ा?

(ग) सुदृढ़ चरित्र के अभाव में मनुष्य किन असामाजिक प्रवृत्तियों का शिकार हो जाता है?

(घ) पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक व श्रीधर के व्यक्तित्व में क्या अंतर था?

(ङ) ईर्ष्या को अनोखा वरदान क्यों कहा गया है? 'ईर्ष्या : तू न गई मेरे मन से' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के विस्तृत उत्तर (50-60 शब्दों में) लिखिए– 3×4=12

(क) हेलेन केलर के जीवन से आपको क्या प्रेरणा मिलती है?

(ख) भीषण गर्मी का मनुष्यों एवं प्रकृति पर क्या-क्या प्रभाव पड़ता है? 'दोपहरी' कविता के आधार पर बताइए।

(ग) 'कामचोर' कहानी में अगर बच्चे आपस में एक-एक काम बाँटकर करते तो क्या होता?

(घ) ईर्ष्यालुओं लोगों के विषय में नीत्से एवं ईश्वरचंद्र विद्यासागर के विचारों को अपने शब्दों में लिखिए।

(ङ) 'सोना' पाठ के आधार पर महादेवी वर्मा की स्वभावगत विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

15. 'गाँधी जी केवल उपदेशक नहीं थे, कर्मयोगी थे'। पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए।

**<u>अथवा</u>** 4

ललित किशोर लोहिमी के अनुसार सुख-साधन भरे जीवन और परोपकारी जीवन में किस को चुनना चाहिए और क्यों?

## खंड–'घ'

16. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर (80–100 शब्दों में) अनुच्छेद लिखिए– 5

(i) व्यायाम के लाभ

(ii) किशोरावस्था

(iii) समय का महत्त्व

17. छात्रों की हिंदी पठन–पाठन में रुचि बढ़ाने हेतु विद्यालय में हिंदी पुस्तक मेला लगवाने का अनुरोध करते हुए प्रधानाचार्या जी को पत्र लिखिए। 5

18. आप विद्यालय के समाज सेवा क्लब के अध्यक्ष हैं। बाढ़ संकट से त्रस्त केरलवासियों की सहायता हेतु दान राशि एकत्रित करने के लिए एक सूचना लिखिए। 5